मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 305
गुरुवार, 29 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

किसानों को मोदी सरकार का बड़ा तोहफा, खरीफ फसलों पर बढ़ाई एमएसपी

नई दिल्ली, 28 मई। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 69 रुपये बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दी है। इस बात की जानकारी केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 सालों में खरीफ फसलों के लिए MSP में भारी बढ़ोतरी की गई है। इसी कड़ी में, खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के लिए टरढ को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50% को भी ध्यान में रखा गया है।

दालों की बात करें तो 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए तुअर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़कर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द का 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का 86 रुपये बढ़ाकर 8,768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। रामतिल, रागी, कपास और सेसम (तिल) के लिए एमएसपी में पिछले वर्ष की तुलना में उच्चतम पूर्ण वृद्धि की सिफारिश की गई है। खरीफ फसलों के 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर करने की घोषणा की गई थी।

अश्विनी वैष्णव ने यह भी बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्याज सहायता योजना को मंजूरी दी है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहते हुए किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत की गई थी।

इससे किसानों के लिए कार्यशील पूंजी प्राप्त करना बहुत आसान हो गया था। ब्याज सहायता योजना के माध्यम से कार्यशील पूंजी की लागत कम हो गई है। प्रभावी रूप से, किसानों के लिए 4% ब्याज पर 2 लाख रुपये तक का ऋण/पूंजी सुनिश्चित करने पर विचार किया गया है।

100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी रेखा गुप्ता सरकार

नई दिल्ली, 28 मई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार 31 मई को अपने पहले 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को अब तक किए गए कार्यों के बारे में सूचित रखना उनकी जिम्मेदारी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 25 साल के अंतराल के बाद शहर में सरकार बनाई, जिसके तहत गुप्ता ने 20 फरवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह एक भव्य समारोह था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गुप्ता के कैबिनेट सहयोगी भी शामिल हुए।

दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में जनता द्वारा चुनी गई काम करने वाली सरकार सत्ता में आई है। मैं दिल्ली की जनता का धन्यवाद करती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि आपके भरोसे पर हमने पिछले 100 दिनों में दिल्ली के लिए काम किया है। हमने कई ऐसे फैसले सही किए जो पिछली सरकारों के समय सही नहीं थे। केंद्र की योजनाओं को दिल्ली में लागू करने का काम किया गया। अब दिल्ली की जनता को डबल इंजन का पूरा लाभ मिल रहा है।

प्रशासन के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने कहा कि इस दौरान दिल्ली सरकार अथक परिश्रम कर रही है। उन्होंने शहर में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, आप सभी ने देखा है कि दिल्ली सरकार 24.7 काम करती नजर आ रही है। 30 मई को हमारी सरकार 100 दिन पूरे कर लेगी। हम 31 मई को दिल्ली की जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे। हम अपने द्वारा किए गए हर काम का ब्यौरा देंगे। जनता के समर्थन को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनता ही थी जिसने राजधानी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनाने में मदद की।

मैं भाषा के बारे में बात करने के योग्य नहीं, इसे विशेषज्ञों पर छोड़ दें: कमल हासन

तिरुवनंतपुरम, 28 मई। कन्नड़ तमिल से निकला है वाले बयान को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता कमल हासन ने कहा है कि मैंने प्यार से कहा और स्नेह से कही गई किसी बात के लिए माफी नहीं मांगेंगे। केरल के तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए हासन ने कहा कि मैंने जो कहा वह प्रेम से कहा था और बहुत से इतिहासकारों ने मुझे भाषा का इतिहास पढ़ाया है। मेरा कोई मतलब नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक हस्तियों में अक्सर ऐसे मामलों पर बोलने के लिए विशेषज्ञता की कमी होती है। मक्कल निधि मैयम (एमएनएम) के अध्यक्ष कमल हासन ने राज्य के राजनीतिक इतिहास के उदाहरणों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु ने लंबे समय से विविधतापूर्ण नेतृत्व को अपनाया है।

उन्होंने तमिलनाडु की राजनीतिक विरासत की समावेशिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है जहाँ मेनन हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं, रेड्डी हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं, तमिल हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं और कन्नड़ अयंगर हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं। हासन ने भाषा की उत्पत्ति के बारे में बयान देने में राजनेताओं से संयम बरतने का आह्वान किया और कहा कि ऐसे मामलों को क्षेत्र के विशेषज्ञों पर छोड़ देना चाहिए। राजनेता भाषा के बारे में बात करने के लिए योग्य नहीं हैं। उनके पास इस बारे में बात करने की योग्यता नहीं है, जिसमें मैं भी शामिल हूँ। आइए हम इन सभी गहन चचाओं को इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और भाषा विशेषज्ञों पर छोड़ दें।

सांसद कनिमोझी ने आतंकवाद को लेकर दुनिया को चेताया

ग्रीस, 28 मई। ग्रीस में डीएमके सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का ग्रीस के हेलेनिक संसद में भारत-ग्रीस मैत्री समूह की अध्यक्ष मारिया एंटोनियो और संसदीय समूह एनडी के सचिव क्रिस्टोस डरमेंटजोपोलोस ने स्वागत किया। डीएमके सांसद कनिमोझी को ग्रीक पक्ष की ओर से क्रिस्टोस डरमेंटजोपोलोस ने आभार प्रकट किया। ग्रीस की हेलेनिक संसद में डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा कि जब भारत पर हमला होता है, तो सभी राजनीतिक दल एक साथ खड़े होते हैं क्योंकि हम अपने देश के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो हाल ही में हमारी धरती पर हुई घटना से दुखी हैं। हम ग्रीस को हमारे साथ खड़े होने और आतंकवाद की निंदा करने के लिए धन्यवाद देते हैं।

कनिमोझी ने कहा कि आतंकवाद सिर्फ. भारतीय धरती पर ही नहीं रुकता, यह फैलता है, और कोई भी देश सुरक्षित नहीं है, चाहे वे उन जगहों से कितनी भी दूर क्यों न हों जहाँ ये आतंकवादी समूह प्रायोजित हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि वे दुनिया के गंदे काम करते हैं। तो स्पष्ट रूप से, वे भारत तक ही सीमित नहीं रहेंगे। अगर कोई किसी दूसरे देश को नुकसान पहुँचाना चाहता है, तो वे उन्हीं आतंकवादियों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का भारत ने बहुत ज़िम्मेदारी से जवाब दिया। हमने उनके नागरिक आवासों या संरचनाओं, पूजा स्थलों या वैध सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया। हमारे प्रधानमंत्री, राजनेताओं और लोगों ने स्पष्ट किया है कि अब बहुत हो चुका। वहीं, भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सऊदी अरब यात्रा शुरू हो गई है। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सदस्य बैजयंत जय पांडा ने कहा कि वह यह संदेश लेकर आए हैं कि आतंकवाद पर भारत का रुख दृढ़ है जिससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। पांडा उन सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं जिन्हें भारत ने 33 वैश्विक राजधानियों का दौरा करने का दायित्व सौंपा है, ताकि वे पाकिस्तान की मंशा और आतंकवाद के प्रति भारत के रुख के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अवगत करा सकें।

मंगलवार को रियाद पहुंचने से पहले प्रतिनिधिमंडल ने बहरीन और कुवैत की यात्रा की। पांडा ने आज ह्यएक्सह्व पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यआतंकवाद पर भारत का रुख दृढ़ और अडिग है - यह एक ऐसा संदेश है जिसे हम अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी अरब लेकर आए हैं। हम सऊदी अरब-भारत मैत्री समिति-शूरा काउंसिल सऊदी अरब के अध्यक्ष महामहिम मेजर जनरल अब्दुल रहमान अलहरबी द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत की सराहना करते हैं और हम अपनी बढ़ती साझेदारी को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य शुरू कर रहे हैं।

अमेरिका के बार-बार दावों को लेकर पीएम मोदी पर कांग्रेस का निशाना

नई दिल्ली, 28 मई। कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे ट्रंप प्रशासन के इस दावे पर अपनी चुप्पी तोड़ें कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कैसे हुआ। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए कि क्या यह सच है कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई, 2025 को न्यूयॉर्क स्थित अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर बयान दर्ज कराया था कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच 'अस्थिर युद्ध विराम' कराने और 'नाजुक शांति' लाने के लिए अपनी टैरिफ शक्ति का इस्तेमाल किया?

रमेश ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री को देश को यह बताना चाहिए कि क्या यह सच है कि अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने 23 मई 2025 को न्यूयॉर्क स्थित यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में एक बयान दायर कर कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक 'कमजोर युद्धविराम' कराने और नाजुक शांति' स्थापित करने के लिए अपने टैरिफ अधिकारों का इस्तेमाल किया था? उन्होंने आगे लिखा कि हावर्ड लुटनिक वही बात दोहरा रहे हैं जो खुद राष्ट्रपति ट्रंप 11 दिनों में 3 अलग-अलग देशों में 8 बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसी तरह का बयान देते हुए भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए एक 'न्यूट्रल साइट' का ज़िक्र किया है।

मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने लिखा प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ो!

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में 7 मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। भारतीय कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया।

भारतीय सेना ने कई पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर भीषण जवाबी हमला किया। भारत और पाकिस्तान ने चार दिनों की गहन बातचीत के बाद 10 मई को सैन्य टकराव को समाप्त करने के लिए एक समझौता किया।

बिहार की जनता चाहती है बदलाव: प्रशांत किशोर

सीवान। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के सपनों को साकार करने और बिहार में राजनीतिक और व्यवस्थागत बदलाव लाने के लिए मंगलवार को एक महत्वाकांक्षी यात्रा पर निकले है। राज्यव्यापी बिहार बदलाव यात्रा के दौरान प्रशांत किशोर अगले 120 दिनों में बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे और जनता से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। वे हर दिन दो सभाओं को संबोधित करेंगे और रास्ते में ग्रामीणों से संक्षिप्त बातचीत के लिए रुकेंगे।

सीवान में आज प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है। वे अपने बच्चों के लिए शिक्षा और रोजगार चाहते हैं और पलायन रोकना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अब सभी को समझ आ गया है कि बिहार में विकास कार्य होने चाहिए और यहां कारखाने लगने चाहिए।

पीएम मोदी ने सावरकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को हिंदुत्व के प्रतीक विनायक दामोदर सावरकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। जयंती के मौके पर वीर सावरकर को श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कृतज्ञ राष्ट्र उनके अदम्य साहस और संघर्ष की गाथा को कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने सावरकर को भारत माता का सच्चा सपूत भी कहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि औपनिवेशिक ब्रिटिश सत्ता की कठोरतम यातनाएं भी मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण को कम नहीं कर सकीं और उनका बलिदान तथा प्रतिबद्धता विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रकाश स्तंभ का काम करेगी।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

महाराणा प्रतापः शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट आलेख

-ललित गर्ग

महाराणा प्रताप जन्म जयन्ती- 29 मई, 2025

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे।

इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता ह्यपातल और पीथलह्न हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दशार्ती है।

आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकते? अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं।

भारतीय इतिहास में जितनी महाराणा प्रताप की बहादुरी की चर्चा हुई है, उतनी ही प्रशंसा उनके घोड़े चेतक को भी मिली। कहा जाता है कि चेतक कई फीट ऊंचे हाथी के मस्तक तक उछल सकता था। कुछ लोकगीतों के अलावा हिन्दी कवि श्यामनारायण पांडेय की वीर रस कविता ह्यचेतक की वीरताह्न में उसकी बहादुरी की खूब तारीफ की गई है। जब मुगल सेना महाराणा के पीछे लगी थी, तब चेतक उन्हें अपनी पीठ पर लादकर 26 फीट लंबे नाले को लांघ गया, जिसे मुगल फौज का कोई घुड़सवार पार न कर सका। मेवाड़ की जनजाति ह्यभीलह्न कहलाती है। भीलों ने हमेशा हर संकट एवं संघर्ष के क्षणों में महाराणा प्रताप साथ दिया। एक किवदंती है कि महाराणा प्रताप ने अपने वंशजों को वचन दिया था कि जब तक वह चित्तौड़ वापस हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह पुआल यानी घास पर सोएंगे और पेड़ के पत्ते पर खाएंगे। आखिर तक महाराणा को चित्तौड़ वापस नहीं मिला। उनके वचन का मान रखते हुए आज भी कई राजपूत अपने खाने की प्लेट के नीचे एक पत्ता रखते हैं और बिस्तर के नीचे सूखी घास का तिनका रखते हैं।

महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को भी कीका नाम से पुकारते थे। महाराणा प्रताप का दिल और दिमाग ही नहीं, बल्कि उनका शरीर भी साहसी एवं लोह समान था। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप 7 फीट 5 इंच लंबे थे। वह 110 किलोग्राम का कवच पहनते थे, वह 25-25 किलो की 2 तलवारों के दम पर किसी भी दुश्मन से लड़ जाते थे। महाराणा प्रताप एक महान पराक्रमी और युद्ध रणनीति कौशल में दक्ष थे। उन्होंने मुगलों के बार-बार हुए हमलों से मेवाड़ की रक्षा की। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अपनी आन, बान और शान के साथ समझौता नहीं किया। उनको धन-दौलत की नहीं बल्कि मान-सम्मान की ज्यादा परवाह थी। अकबर के सामने महाराणा पूरे आत्मविश्वास से टिके रहे। एक ऐसा भी समय था, जब लगभग पूरा राजस्थान मुगल बादशाह अकबर के कब्जे में था, लेकिन महाराणा अपना मेवाड़ बचाने के लिए अकबर से 12 साल तक लड़ते रहे।

महाराणा प्रताप के देशप्रेम, साहस एवं समर्पण ने उनके लोगों को प्रेरित किया। भामाशाह ने एक बार सेना के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए अपनी सारी बचत और सोना दान कर दिया। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में महाराणा प्रताप ने मुगलों से कई महत्वपूर्ण स्थानों को पुनः प्राप्त किया, जिनमें देवर, कुंभलगढ़, रणकपुर और चावंड शामिल हैं। उन्होंने चावंड को अपनी नई राजधानी बनाया और अपने राज्य की स्थिति को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने सड़कें, झीलें, मंदिर और सिंचाई प्रणालियाँ बनवाईं। महाराणा प्रताप सिर्फ योद्धा ही नहीं थे बल्कि एक अच्छे शासक भी थे। उन्होंने स्थानीय कला, कृषि और संस्कृति को महत्व दिया। उनका शासन न्याय और लोगों के कल्याण पर आधारित था। उनका निडर स्वभाव, दृढ़ता और अपनी भूमि के प्रति प्रेम उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान प्रतीकों में से एक बनाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि असली ताकत संख्या में नहीं, बल्कि चरित्र में होती है। वह अपनी बहादुरी, बलिदान और देशभक्ति के उदाहरण से पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं।

रानी अहिल्याबाई होलकर वीर मराठिनी और भारतीयता की अद्भुत शिल्पकार

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

31 मई रानी अहिल्याबाई होलकर जयंती पर विशेष

मराठा साम्राज्य की विशाल जिम्मेदारियों को अनेक कठिनाईयों के बावजूद अपने नाजुक मगर दृढ़ कंधों पर कुशलता पूर्वक ढोने वाली वीर मराठिनी देवी अहिल्या बाई होल्कर बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं क्षत्रियोचित गुणों की स्वामिनी थी। उनका विवाह मात्र नौ वर्ष की अल्पायु में ही मल्हार राव होल्कर के एक ?मात्र पुत्र खंडेरावल से हुआ था। नववधु अहिल्या दक्षिण के चोंड़ी नामक छोटे से गाँव के पटेल भाणरोजी सिंधिया की पुत्री थी। अहिल्या के पति खंडेराव छोटी उम्र में ही बिगड़ैल और ऐसा कोई भी दुर्गुण नहीं बचा रह गया था, जो उनमें न हो। तभी तो मल्हारराव ने अनेक इंद्र परियों सी लड़कियों के भी प्रस्ताव आने के बावजूद रंगरुप में साधारण एवं सांवली सी कन्या अहिल्या को अपनी पुत्रवधु के रूप में चुना था।

वृद्ध मल्हारराव की पारखी आँखों ने उन्हें देखते ही पहचान लिया था कि मेरे नकारा एवं बिगड़ैल पुत्र को सुधार एवं संवारने के साथ साथ मराठा परिवार की श्रेष्ठ बहु साबित होगी। कालांतर में यह हुआ भी ठीक वैसा ही जैसा मल्हार राव ने सोचा था। मल्हारराव को अपने कई लोगों की उल्लाहने भी सुनने को मिली कि कहाँ परियों सी कन्याओं के प्रस्ताव को ठुकराकर आपने एक साधारण सी लड़की से अपने एकमात्र पुत्र का विवाह कर रहे हैं। पर उन्होंने किसी के भी बातों पर कान न धरते हुये वहीं विवाह सम्पन्न कराया।

विवाह के पश्चात नववधू ससुराल पहुँची। प्रथा के अनुसार नववधु ने देहरी पर चावल से भरी नाप को पैर से लुढ़काकर गृहप्रवेश किया। इधर बारातियों में खुसुर-फुसुर चल रही थी। पता नहीं क्या देखकर मल्हारराव इस लड़की पर रीझ गये। लड़की तो रुप रंग में बड़ी साधारण सी है, एक आवाज आई इतना भी नहीं समझे। अरे इन्हें अपनी लड़की देता ही कौन? इनके अपने लड़के खंडेराव के रंग ढंग तो तुम जानते ही हो, दूसरी आवाज बहुत अच्छी तरह आई। ऐसे बिगडैल का भी बेटे की सम्हालने के लिये तो इन्हें परी सी बहु चाहिये थी। मैंने तो एक से एक सुंदर लड़कियाँ बताई भी थी। परंतु इनके भाग्य में हो तब न। तीसरी आवाज आई। चुप रहो देखो वे इधर ही आ रहे हैं। खंडेराव के परम मित्र एवं सेवक उनके रिश्ते में भाई लगने वाले तुकोजीराव भी विवाह में सम्मिलित थे। उन्होंने देखा वर वधु मिठाईयां बांटते हुये उनकी ओर ही आ रहे थे। वधु के हाथ में मिठाईयों से भरा स्वर्ण पात्र था और वर उसमें मिठाईयां देकर सबका मुँह मीठा करा रहा था। तुकोजी और खंडेराव लगभग हम उम्र थे, अतः तुकोजी ने उनके पास आ जाने पर छेड़ा ?नहीं खंडू ऐसे नहीं लूँगा। पहले तुन दोनो उखाड़ए (दोहा वा छंद जैसी मराठी तुकबंदी लेकर एक दूसरे को खिलाओ तब मैं मिठाई लूँगा। फिर क्या था चारो तरफ से शोर होने लगा, पहले नवदधु उखाड़ा लेगी। जोर से बोलना भाभी सबको सुनाई देना चाहिये। सुनो, भई उखाड़ा। सुनो। तब उस आठ नौ साल की छोटी सी नववधु ने खनकते हुये मधुर स्वर में कहा -

कुलस्त्रीचा श्रृंगार आहे सेवा आणिदान।
खंडेरावांचे नावं होऊन राखते सर्वांचा मान।।

अर्थात कुलस्त्री का सच्चा श्रृंगार तो सेवा और दान धर्म है। आप सबके आग्रह पर ही मैं खंडेराव का नाम मुख से कह रही हूँ। उखाड़ा लेकर अहिल्या ने लंबी लंबी पलकें उठाकर क्षण मात्र को तुकोजी की ओर देखा। वह मानी पूछ रही थी, क्यों आया पसंद उखाड़ा? आसमानी रंग की नौगजी बूटीदार बनारसी साड़ी में सुशोभित स्वस्थ श्यामल काया, पीठ पर लंबे घने काले केशों की नागिन सी लोटती वेणी, सुकुमार गोल चेहरा, भव्य ललाट, धनुषाकार लंबी भौंहे और बड़ी बड़ी सुंदर काली आँखें। अहिल्या का वह नववधु रुप तुकोजीराव को ताउम्र याद रहा। ससुराल में आते ही अहिल्या राजे ने अपनी तीनों सास की सेवा शुश्रुषा और अपने मृदुल व्यवहार से इतना अभिभूतकर दिया कि वे तीनों हमेशा अपनी नववधु की प्रशंसा करते नहीं थकती थी। वहीं अहिल्या ने अपने मीठे नम्र स्वभाव, चतुराई तथा स्नेहमय स्वभाव से छोटे बड़े, अपने पराये सबका मन जीत लिया। सुबेदार मल्हारराव कभी कभी हँसी - मजाक में अहिल्या से कहते तुंबया अरे, तुम्हारी वे तीनों चाचियाँ यदि किसी की तारीफ कर दें तो समझ लो कि वह व्यक्ति भगवान से भी बड़ा है। इस पर गौतम बाई - (सास) गर्दन झटकते हुये कहती चलो जी आपको तो हर समय मजाक सुझता है। मेरी बहु है ही ऐसी गुणवंती। आखिर पसंद किसकी है। मेरी ही तो है। जो कभी गलत हो ही नहीं सकती। अहिल्या तो होल्कर कुल की भाग्यलक्ष्मी है। मल्हारराव गर्व से कहते हैंः सचमुच ही अहिल्या बाई के आगमन के बाद होल्करों का बल वैभव दिन प्रतिदिन बढ़ता ही गया। खंडेराव बड़ा ही नालायक व्यक्ति था। राजकाज में उसे जरा भी रुचि नहीं थी। परंतु अहिल्या बाई ने भी कभी उसका अनादर नहीं किया। कभी- कभी हताश होकर मल्हारराव तुकोजी से कहते, यह खंडू तो निरा पत्थर है। इसे लाख सिखाओ, वह ज्वों का त्यों बना रहेगा। तुकोजी, अरे तुम इस पर क्यों मेहनत कर रहे हो? उससे तो अच्छा है कि इस अहिल्या को सिखाओ। मैं तो यहीं करता हूँ। अहिल्या बाई कहती, मामाजी, उन्हें कुछ मत कहिये, क्या करना है, मुझे बताईये। मैं अभी कर देती हूँ। और अहिल्या बाई ससुर के प्रत्येक आदेश का पालन कर उनकी गैरहाजिरी में भी राज्य का प्रबंध इतने अच्छे ढंग से करती कि देखने वाले दंग रह जाते ।

अहिल्या बाई की निच्छल प्रीति तथा नम्र सेवाभाव देखकर उसका पति खंडेराव भी धीरे धीरे सुधरता गया। उसके दुर्व्यसन छूट गये। वह राजकाज में रुचि लेने लगा। यही नहीं पत्नी के प्रेरणा से वह युद्ध कला में भी निपुण होने लगा। एक दिन तुकोजी ने उससे कहा खण्डू भैया, तुम्हारा तो मानो कायाकल्प हो गया, ऐसा कौन सा जादू हो गया? तब हँसकर खण्डेराव जवाब देते तुक बाबा तो मुझे पत्थर कहते हैं। परंतु निर्मल जलधारा के सततु अभिषेक से वह पत्थर भी तो गोल और चिकना होकर शलिग्राम कहलाता है। मेरी स्त्री अहिल्या ऐसी ही पावन जलधारा है। जिसने आज मुझे इस लायक बनाया है। यह कहते हुये खण्डेराव के नेत्र कृतज्ञता और गर्व से चमक उठे। इसी दौरान अहिल्या बाई ने पुत्र भालेराव एवं पुत्री मुक्ता को जन्म दिया। पर होल्कर खानदान की खुशियों को ज्यादा दिन नहीं मिल पाया। उनका पुत्र कस उम्र में ही चल बसा। वहीं सूरजमल के साथ कुंमेरी के युद्ध में बंदूक की गोली छाती में लगने से खण्डेराव भी वीरगति को प्राप्त हो गये। अहिल्या बाई उस समय युद्धभूमि में ही थी। पति की मृत्यु के समाचार ने उन पर वज्राघात कर दिया। परंपरानुसार वे पति की चिता के साथ सती होने जा रही थी, पर स्वसुर मल्हारराव की दयनीय दशा और उनके करुण प्रार्थना पर उन्होंने अपना विचार त्याग दिया। उस दिन के बाद से अहिल्या बाई सेवामयी सन्यासिनी बन गई। उन्होंने सभी रंगीन कीमती लिबास, अलंकार तथा वैभव विलास संपूर्ण रुप से त्याग दिये। श्वेत वस्त्र धारण कर वैयक्तिक सुखभोगों को तिलांजलि देकर उसने सारा जीवन मानव जाति की सेवा में अर्पित कर दिया। अब तक वह केवल होल्कर कुल की बहु थी, पर अब वह सबकी माता, लोकमाता या मातोश्री सरकार बन गई।

अनेक वज्राघातों के साथ अहिल्या बाई ने होल्कर राज घराने का राजकाज पूरी कुशलता से सम्हाल लिया। तुकोजी राव भी सजग प्रहरी की भाँति उन्हें हमेशा पूरी वफादारी के साथ सहयोग प्रदान करते रहे। राज्य के अन्य प्रभावशाली लोगों को एक औरत के हाथ में राजा की बागडोर रहना खटकने लगा था। षडयंत्रों और चालबाजियों की गोटियों चलने लगी। तुकोजीराव को भी खूब तोड़ने की साजिश एवं लालच दी गई। पर स्वामी भक्त तुकोजी नहीं टूटे। मल्हारराव की मृत्यु के बाद इतने बड़े होल्कर राज्य के लालच में कई लोगों की मति भ्रष्ट हो गई। अहिल्या का पुत्र भालेराव अल्पवयस्क होने के साथ साथ पिता की तरह पूरी तरह से नकारा था। पर इन सभी विपरीत परिस्थितियों को पूरी चतुराई एवं कौशल से एवं जहाँ बल की जरुरत थी वहां रणकौशल का प्रयोग कर रानी अहिल्स बाई ने सभी विरोधियों के हौसले पस्त कर दिये थे।

वर्तमान के पश्चिम निमाड़ (खरगोन) में नर्मदा के किनारे स्थित महेश्वर एक सुप्रसिद्ध पौराणिक एवं धार्मिक स्थल है, जिसका पुरातत्व एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है। महेश्वर का प्राचीन नाम महिष्पति था। यहीं महेश्वर में अहिल्या बाई होल्कर की राजधानी रही है। उन्होंने यहाँ नर्मदा किनारे अनेक शिव मंदिर तथा घाट बनवाये। सुंदर घाटों की पंक्तियों एवं बहुतायत से शिव मंदिरों के कारण इसे देश में दूसरी काशी के रुप में भी जाना जाता है। इन घाटों में से अधिकांश का निर्माण सन 1799 में यशवंतराव होल्कर प्रथम के कार्यकाल में आरंभ होकर सन 1933 में पूरा हुआ था। देवी अहिल्या बाई की क्षत्रीय व तीन घाटों के निर्माण में लगभग एक करोड़ रुपया उस समय कृष्णा बाई ने लगाये थे।

महेश्वर में अहिल्या वाई ने जितने वर्षों तक शासन किया, उन्होंने दरबार सदैव एक साधारण सी राजगद् ?दी पर लगाया, जो आज भी दर्शनार्थ रखी हुई हैं। इस प्रकार, की साधारण राजगद्दी देश के अन्य किसी भी राजघराने में नहीं रही होगी। यहाँ स्थित किले में अहिल्या बाई होल्कर का एक मंदिर भी स्थापित है। मंदिर में उनकी मूर्ति के शीर्ष पर दूर से देखने पर चंद्रमा चमकता दिखाई देता है, और पास जाते जाते एक हाथ की दूरी पर यह चंद्रमा दिखता बंद हो जाता है। ऐसी अद्भुत शिल्पकारी है इस मूर्ति की।

कांग्रेस ने शुरू की क्यू.आर. कोड से टिकट आवेदन प्रक्रिया

बिहार में विधानसभा चुनाव इस साल अक्तूबर-नवम्बर तक होने वाले हैं, फिर भी राजनीतिक दलों ने अभी से कमर कसनी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने पहली बार संभावित उम्मीदवारों के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए क्विक रिस्पांस (क्यू.आर.) कोड सिस्टम शुरू किया है। क्यू.आर. कोड अनिवार्य रूप से एक कोडित ग्राफिक है, जिसे स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करके स्कैन किया जा सकता है। यह उपयोगकत्ताओं को डिजिटल सामग्री से जोड़ता है। चुनावों के संदर्भ में, यह भौतिक सामग्रियों को ऑनलाइन संसाधनों से जोड़ता है, जिससे दस्तावेजों और डाटा तक तुरंत पहुंच मिलती है। इस महीने की शुरूआत में पटना में एक प्रैस कांफ्रैंस में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने बताया कि यह प्रक्रिया कैसे काम करेगी- उम्मीदवारों को अब समर्थन के लिए लॉबिंग करने के लिए वरिष्ठ नेताओं के पास जाने की जरूरत नहीं है। इसकी बजाय, कोड को स्कैन करने पर उन्हें एक विस्तृत आवेदन पत्र मिलेगा, जिसमें मुख्य व्यक्तिगत विवरण, निर्वाचन क्षेत्र की जानकारी और पार्टी की साख शामिल होगी।

राम ने बताया कि उम्मीदवारों को कांग्रेस के साथ अपने जुड़ाव, अपनी सदस्यता की स्थिति और हर घर झंडा जैसे अभियानों में अपनी भागीदारी के बारे में 5 तस्वीरों के साथ बताना होगा। आवेदन में जन आक्रोश रैलियों, सामुदायिक बैठकों, सोशल मीडिया आऊटरीच और पूर्ण बायोडाटा में भागीदारी सहित सार्वजनिक जुड़ाव के साक्ष्य की भी मांग की गई है। सभी विधायकों, जिनमें वर्तमान विधायक भी शामिल हैं, को कांग्रेस के साथ अपने संबंधों के बारे में विस्तृत जानकारी देनी होगी।

उन्होंने बताया, आवेदन करने वाले आवेदकों को क्यू.आर. कोड के माध्यम से आवेदन करना होगा और फॉर्म को पूरी तरह से भरना होगा। आवेदनों का मूल्यांकन 6 अलग-अलग मानदंडों के आधार पर किया जाएगा। क्यू.आर. कोड के साथ एक उम्मीद भरी टैगलाइन भी दी गई है- बिहार बदलाव के लिए तैयार है। हालांकि, पार्टी के भीतर संदेह बरकरार है। महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता, जहां पार्टी को हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भारी हार का सामना करना पड़ा, ने इस पर परिप्रेक्ष्य पेश किया। उन्होंने कहा, चाहे बिहार हो या कहीं और, राजनीतिक संरक्षण और शीर्ष नेताओं से निकटता अक्सर टिकट वितरण का फैसला करती है।

उन्होंने प्रक्रिया का वर्णन किया- जिला इकाई आम तौर पर प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से 5-6 नाम राज्य इकाई को भेजती है। राज्य इकाई के अध्यक्ष की अध्यक्षता वाली प्रदेश चुनाव समिति (पी.ई.सी.) फिर इनकी समीक्षा करती है। अनुशंसित नामों की संख्या मुी भर से लेकर 50 से अधिक तक हो सकती है। पी.ई.सी. के सुझावों के आधार पर एक शॉर्टलिस्ट संकलित की जाती है और स्क्रीनिंग कमेटी को भेजी जाती है, जिसमें राज्य के बाहर से कम से कम एक सदस्य शामिल होता है। यह समिति प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से 2 या 3 नाम चुनती है, जिन्हें फिर अंतिम निर्णय के लिए केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा जाता है। व्यवहार में, नेता ने स्वीकार किया, प्रलोभन अक्सर प्रक्रिया को बिगाड़ देते हैं। कैंडिडेट्स प्रत्येक चरण में प्रलोभन देते हैं। इसका मतलब है कि कभी-कभी संभावित दावेदार हार जाते हैं। क्यू.आर. सिस्टम कम से कम यह गारंटी देता है कि प्रत्येक आवेदन को पार्टी नेतृत्व द्वारा स्वीकार किया जाता है। जब गठबंधनों के भीतर सीट बंटवारे की बात आती है तो यह प्रक्रिया और भी जटिल हो जाती है, जिसमें कई सप्ताह तक बातचीत चलती है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों द्वारा उद्धृत एक उदाहरण प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक पूर्व प्रमुख का था, जिन्हें इस खुलासे के बाद हटा दिया गया था कि उन्होंने 2020 में सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ एक हानिकारक सीट-सांझाकरण सौदा किया था, कथित तौर पर पार्टी के कार्यकाल में अपने बेटे के लिए टिकट सुरक्षित करने के लिए। टिकट वितरण में अस्पष्टता की शिकायतें नई नहीं हैं। हरियाणा में 2019 के विधानसभा चुनावों से पहले, तत्कालीन राज्य इकाई के अध्यक्ष अशोक तंवर ने पार्टी नेता सोनिया गांधी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें दावा किया गया कि टिकट बेचे गए थे। उन्होंने आरोप लगाया, ह्यह्यसोहना सीट 5 करोड़ रुपए में बेची गई थी। अगर टिकट वितरण अनुचित है, तो हमारे उम्मीदवारों के जीतने की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

2010 में बुराड़ी में कांग्रेस के विशेष सत्र में, आम कार्यकत्ताओं ने चुनाव टिकटों की कथित बिक्री के खिलाफ नारे लगाकर कार्रवाई बाधित की और 2008 में, सोनिया गांधी की करीबी मानी जाने वाली पूर्व कांग्रेस महासचिव मार्गरेट अल्वा ने कर्नाटक में अपने बेटे को टिकट न दिए जाने के बाद पार्टी की टिकट संबंधी भ्रष्टाचार के लिए सार्वजनिक रूप से आलोचना की। उन्हें तुरंत कहा गया कि पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस कार्य समिति में अपनी सीट सहित सभी पदों से इस्तीफा दे दें। एक पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ह्यह्यचाहे क्यू.आर. कोड हो या गूगल फॉर्म, यह अभी भी राजनीतिक निर्णय पर निर्भर करता है। एप्लीकेशन को डिजिटल बनाना आसान काम है। महत्वपूर्ण यह है कि उसके बाद क्या होता है।

कांग्रेस के भीतर डिजिटल उपकरणों के बढ़ते इस्तेमाल का श्रेय रणनीतिकार सुनील कनुगोलू को जाता है, जो अपने डाटा-संचालित दृष्टिकोण और तीखे संदेश के लिए जाने जाते हैं। 2023 में, पार्टी के चंदे के लिए क्यू.आर. कोड की शुरूआत के पीछे उनका दिमाग बताया गया। बाद में वह कर्नाटक (2022) और मध्य प्रदेश (2023) में कांग्रेस के अभियानों में शामिल हो गए, जहां तत्कालीन भाजपा सरकारों के कथित भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए ह्यमुख्यमंत्री को भुगतान करोह्न नारे वाले कोड का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, संभावित उम्मीदवारों को सीधे पार्टी तंत्र से जोड़ने के लिए क्यू.आर. कोड का इस्तेमाल पहली बार किया गया है।

--अदिति फडणीस

दुनिया भर में गए प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य

इस समय सभी दलों के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल 7 समूहों में दुनिया के अलग-अलग 33 देशों की यात्राओं पर है। इसके साथ विदेश मंत्रालय के कुछ पुराने और अनुभवी राजनयिक भी हैं। स्वाभाविक ही आवश्यकता अनुसार विदेश मंत्रालय की ओर से भी प्रतिनिधि हैं और यात्रा से संबंधित देशों का दूतावास भी पूरी तरह इनके साथ लगा है। 3 जून तक प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्रा पर रहेगा। सामान्य तौर पर इसका लक्ष्य यही बताया गया है कि ऑप्रेशन सिंदूर और उसके पूर्व पहलगाम हमले को केन्द्र में रखते हुए पाकिस्तान की दुर्नीतियों, संपूर्ण आतंकवादी विषयों पर भारत का पक्ष सविस्तार रखने के साथ उन्हें अपने पक्ष से सहमत कराने की भी कोशिश होगी। हालांकि विपक्ष के सांसद इसमें शामिल हैं किंतु जिस तरह की आवाजें उठीं वह इस विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति के संदर्भ में भी भारत की अपरिहार्य आंतरिक राजनीतिक एकता के विपरीत था।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने अपने एक्स हैंडल पर लंबा -चौड़ा पोस्ट करते हुए इसे प्रधानमंत्री की विदेश नीति और कूटनीति की सफलता का प्रतिबिंब बता दिया। उन्होंने कहा कि आज उन्हें मजबूर होकर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। कांग्रेस, तृणमूल आदि पार्टियों की समस्या यह भी थी कि हमसे बिना पूछे हमारे सांसदों को क्यों शामिल किया गया और जिन्हें हम नहीं चाहते थे वे उसमें शामिल क्यों हैं? इस विषय पर 2 राय हो सकती हैं पर सरकार को भी यह अधिकार होना चाहिए कि ऐसे मामलों में सूक्ष्मता से योग्यता के आधार पर सांसदों का चयन कर उन्हें विदेश भेजा जाए और चूंकि सभी सांसद उनकी पार्टियों के ही हैं इसलिए समस्या नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में अत्यंत कठिन समय में भी ऐसे राजनीतिक विवेक की अपेक्षा हम नहीं कर सकते। बहरहाल इस विषय को छोड़ आगे बढ़ते हैं। देशों के चयन की दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों में से चीन को छोड़ अमरीका, फ्रांस ब्रिटेन और रूस शामिल हैं। साथ ही 10 अस्थायी सदस्यों में पाकिस्तान और सोमालिया को छोड़ अन्य 8 अल्जीरिया, डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, सियरा लियोन, गुयाना, पनामा, स्लोवेनिया और ग्रीस भी शामिल हैं।

सऊदी अरब पाकिस्तान का भी मित्र देश है लेकिन उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ होने की बात कही थी। ओ.आई.सी. देश जम्मू-कश्मीर पर बीच-बीच में भारत विरोधी प्रस्ताव पारित कर देते हैं। इस संगठन ने ऑप्रेशन सिंदूर के विरुद्ध भी बयान जारी किया था। तो यह आवश्यक है कि उनसे भी संपर्क करके अपनी बात बताई जाए। यह सोच ही निराधार है कि ह्यऑप्रेशन सिंदूर विषय पर अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारत का पक्ष कमजोर है इसलिए हमें प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। ऑप्रेशन सिंदूर के बीच, उसके पहले तथा बाद में भी हमारी कूटनीति एक क्षण के लिए रुकी नहीं।

संपूर्ण विश्व में विदेश मंत्री , विदेश सचिव,अन्य अधिकारी व स्वयं प्रधानमंत्री बातचीत करते रहे। विश्व के किसी प्रमुख देश ने भारत की कार्रवाई का न विरोध किया और न एक प्रतिकूल बयान दिया। विश्व के प्रमुख देशों का चरित्र है कि जब आतंकवादी हमले होंगे वे इसके विरुद्ध बयान जारी करेंगे, साथ होने की भी घोषणा करेंगे किंतु जब आप साहस के साथ पराक्रम और पुरुषार्थ दिखाते हुए सीमा पार कर कार्रवाई करेंगे तो कोई सक्रिय साथ देने नहीं आएगा। कुछ देशों की छाती फटेगी और युद्ध रोकिए-युद्ध रोकिए की आवाज उठेगी। वही हुआ है।

भारत का संकल्प अटूट है। प्रधानमंत्री ने स्वयं ऑप्रेशन सिंदूर को अखंड प्रतिज्ञा कहा है। भारत की घोषणा दो टूक है, आतंकवादी कार्रवाई युद्ध मानी जाएगी, पाकिस्तान के साथ न व्यापार होगा, न बातचीत और उसने आतंकवाद नहीं रोका तथा सैन्य दुस्साहस किया तो हम इससे ज्यादा शक्ति से कार्रवाई करेंगे।

इस यात्रा के उद्देश्यों को समझने की दृष्टि से कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा न्यूयार्क में दिए गए विस्तृत वक्तव्य की कुछ बातों का उल्लेख प्रासंगिक है।थरूर की ये पंक्तियां देखिए- ह्यह्यअब हम इस बात के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि इस मामले में कोई नया निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए। हमने सब कुछ आजमा लिया है, अंतर्राष्ट्रीय डोजियर, शिकायतें...सब कुछ आजमा लिया गया है। पाकिस्तान इंकार करता रहा है, किसी को भी दोषी नहीं ठहराया गया, कोई गंभीर आपराधिक मुकद्दमा नहीं चलाया गया, उस देश में आतंकी ढांचे को खत्म करने का कोई प्रयास नहीं किया गया, और सुरक्षित पनाहगाहें बनी रहीं...आप (पाकिस्तान) ऐसा करें, आपको यह वापस मिलेगा और हमने इस आप्रेशन (ऑप्रेशन सिंदूर) के साथ यह दिखा दिया है कि हम इसे सटीकता के साथ कर सकते हैं। विशिष्ट आतंकवादी ठिकानों, मुख्यालयों और लांच पैडों पर बहुत सटीक और सोची-समझी कार्रवाई की गई। इस तरह किसी को रत्ती भर भी संदेह नहीं होना चाहिए कि प्रतिनिधिमंडल भेजने के पीछे भारत की वर्तमान तथा भविष्य में होने वाली कार्रवाइयों के लिए व्यापक आधार बनाना है जिसमें पाकिस्तान को अलग-थलग करने की भी स्थिति पैदा हो।-अवधेश कुमार

भारत की आर्थिक नीतियों का कमाल: भारत बना चौथा वैश्विक आर्थिक सिरमौर

यह चमत्कार से कम नहीं है कि वर्ष 2014 के पहले मनमोहन सिंह की कांग्रेस की सरकार के समय भारत विश्व में 11वीं आर्थिक शक्ति में गिना जाता था। 2014 में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनते ही सबसे पहले आर्थिक मजबूती की नीतियों पर ध्यान देते हुए भारत की अंदरूनी अर्थशास्त्र मरम्मत करते हुए आज 2025 में विश्व की जापान जैसी चौथी आर्थिक शक्ति को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर चौथी महाशक्ति बन गया है। सकल जीडीपी में भारत ने उत्साह जनक वृद्धि करते हुए आश्चर्यजनक रूप से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का कम समय में रिकॉर्ड बनाया है।

यह ऐसे समय में भारत ने किया है जब भारत के समक्ष विपरीत परिस्थितियों पहाड़ बनकर खड़ी हुई है ऑपरेशन सिंदूर में सामरिक तौर पर पाकिस्तान को परास्त करते हुए अमेरिका चीन पाकिस्तान तुर्की जैसे देशों का मुकाबला डटकर किया है। भारत ऑपरेशन सिंधु चलते हुए पाकिस्तान के 9 हवाई बेस अड्डों को नष्ट किया है के अलावा 100 आतंकवादियों को मार भी गिराया है ट्रंप ने इस मामले में दबाव डालने का भरपूर प्रयास किया था भारत के कड़े रुख के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने बयान से यू टर्न लेना पड़ा और भारत और पाकिस्तान के बीच से अपना हाथ खींच लिया है। अब भारत में कूटनीतिक तौर पर अपने 60 से अधिक सांसदों को विदेश विभिन्न देशों में अपने सांसदों का दल भेज कर भारत का रुख साफ करने एवं पाकिस्तान की काली करतूत के तहत विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने का पदार्फास भी किया है। भारत ना सिर्फ चौथी आर्थिक शक्ति बना है बल्कि सामरिक तौर पर अपनी फौज के दम पर पाकिस्तान जैसे आतंकवादी देश को परास्त करते हुए चौथी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत अपनी वर्तमान की आर्थिक नीतियों पर चलते हुए बहुत शीघ्र जर्मन जैसे शक्तिशाली देश को पीछे छोड़ते हुए तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो गया है। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी भी देश की नियत साफ हो तो वह किसी भी दिशा में सकारात्मक रूप से शांति स्थापना की अच्छी मंशा को लेकर वैश्विक स्तर पर अच्छी छवि बनाकर सिरमौर भी बन सकता है। भारत 141 करोड लोगों के श्रम के हाथों और मजबूत आर्थिक नीतियों के चलते 4000 अरब डॉलर वाला कुल सकल उत्पाद की ताकत के बाद वैश्विक स्तर पर चौथी आर्थिक ताकत बनकर उभरा है। भविष्य में भारत को अपने नागरिकों के श्रम के दम पर बहुत शीघ्र जर्मनी जैसे ताकतवर पश्चिमी देश को पीछे छोड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वर्तमान में भारत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे मजबूत हुआ है। इंटरनेशनल मोनेटरी फंड तथा विश्व बैंक ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि विश्व की दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के लगातार प्रदर्शन के बीच भारत की अंदरुनी अर्थव्यवस्था काफी मजबूत हुई है तथा यह मजबूत अर्थव्यवस्था लगातार जारी रहने की संभावना है। ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात यह बहुत शुभ खबर है कि पाकिस्तान में हमले के बाद इसराइल फ्रांस ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ-साथ खाड़ी के देश भी भारत के सामरिक अस्त्र-शस्त्र खरीदने की होड़ में शामिल हो गए हैं एवं भारत में बने रक्षा उत्पादों को खरीदने की मंशा रखते हैं। भारत को न सिर्फ निर्यात बल्कि देश के लिए उपयोगी आवश्यक वस्तुओं का आयात भी करना होगा तब जाकर हम तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर उन्मुख हो सकते हैं। भारत के प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब हमें चीन के सामानों का उपयोग ना करके घर में ही उत्पादन बढ़ाकर आर्थिक रूप से चीन को करारा जवाब देकर उसे आर्थिक रूप से परास्त करना है।

नागरिक संरक्षण दल द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के तारापुर ग्राम पंचायत में नागरिक संरक्षण दल द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह शिविर नागरिक संरक्षण दल के पालघर उपनियंत्रक काशीनाथ कुरकुटे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।शिविर में प्रशिक्षार्थियों को आपदा प्रबंधन, बचाव कार्य और प्राथमिक चिकित्सा से जुड़ी अहम जानकारियाँ प्रदान की गईं। प्रशिक्षण शिविर में विभागीय अधिकारी नरेश महस्के ने विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नागरिक संरक्षण दल का इतिहास एवं कार्यप्रणाली, नैसर्गिक एवं मानवनिर्मित आपदाओं के समय दल की भूमिका, आग, उसके प्रकार और अग्निशमन उपकरणों का प्रयोग, प्रथमोपचार, सीपीआर, कृत्रिम श्वसन पद्धति, रेस्क्यू ऑपरेशन, स्ट्रेचर निर्माण, गाठें व रोप की तकनीक, सर्पदंश, रक्तस्राव, जख्म के प्रकार, आपातकालीन उपचार, प्रकाशबंदी, सायरन, रडार, बॉम्ब की जानकारी, आपत्ति व्यवस्थापन जैसे भूकंप, चक्रीवादल, वार्डन सेवा और कवायत प्रणाली जैसी अनेक महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। इस शिविर में माजी मानसेवी अधिकारी लोचन तमोरे एवं शैलेंद्र मिश्रा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सीनियर स्वयंसेवक प्रिया पाटील, सुषमा जाधव, रूपाली शर्मा ने भी प्रशिक्षण में सक्रिय योगदान दिया। वहीं तारापुर ग्रामपंचायत की सरपंच ने भी शिविर में भाग लेकर ग्रामीणों से नागरिक संरक्षण दल से जुड़ने का आह्वान किया और इस पहल की सराहना की। यह प्रशिक्षण न केवल आपदा के समय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु महत्त्वपूर्ण है, बल्कि युवाओं को सेवा भावना से जोड़ने की दिशा में भी एक प्रभावशाली कदम साबित हुआ।

मनोज शर्मा और नागेश हेब्ले के प्रयासों से नगरपालिकाने की त्वरित कार्रवाई

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड पश्चिम स्थित स्वामीनारायण मंदिर के पास की गटर लाइन, जो नगरपालिका द्वारा जब से डाली गई थी तब से अब तक कभी साफ नहीं की गई थी, उसे आखिरकार साफ करवाया गया। यह कार्य भाजपा वसई-विरार जिल्हा सचिव मनोज शर्मा और भाजपा सचिव एवं समाजसेवक नागेश हेब्ले के अथक प्रयासों और संबंधित अधिकारियों तक की गई रजुवात के कारण संभव हो सका।

बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए महानगरपालिका ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरी टीम भेजी और गटर की सफाई का कार्य संपन्न कराया। इस सफाई अभियान से आसपास के रहवासियों को भारी राहत मिली है, जो लंबे समय से गंदगी और जलजमाव की समस्या का सामना कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने इस सराहनीय पहल के लिए मनोज शर्मा, नागेश हेब्ले, रवी शेट्टी, सतीश शेट्टी, रॉकी किंनी और नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

स्वातंत्र्यवीर सावरकर की 142वीं जयंती पर विरार पूर्व में श्रद्धांजलि समारोह संपन्न

विरार (उत्तरशक्ति)। विरार (पूर्व) में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की 142वीं जयंती के उपलक्ष्य में विरार पूर्व में स्थित उनकी अर्ध-प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। यह अवसर ना केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी को स्मरण करने का था, बल्कि उनके राष्ट्रभक्ति और प्रेरणादायी विचारों को पुनः आत्मसात करने का भी था।

इस श्रद्धांजलि समारोह में विशेष रूप से उपस्थित थे नालासोपारा के विधायक राजन नाईक, जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, वसई विधानसभा प्रमुख मनोज पाटील, मंडल अध्यक्ष मनीष वैद्य, एवं अन्य मान्यवर जिनमें वैभव जगाड़े, विशाल राउत, आशीष जोशी, नारायण मांजरेकर, प्रसाद पाटिल सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल थे।

कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित जनों ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर की प्रतिमा को नमन कर उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद किया। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि सावरकर केवल एक नाम नहीं, बल्कि वह विचार हैं जो आज भी राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देते हैं।

मजदूर वर्ग की समस्याओं का समाधान केवल भाजपा की विचारधारा में निहित है: रविंद्र चव्हाण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विधायक रविंद्र चव्हाण ने जब से भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला है, तब से उनकी कार्यशैली के चलते संगठन में स्पष्ट रूप से नई गति आई है। डोंबिवली जैसे भाजपा के गढ़ से लगातार चार बार विधायक चुने गए चव्हाण ने भाजपा की राष्ट्रहित की विचारधारा को महाराष्ट्र के कोने-कोने तक पहुंचाया है। इसके साथ ही राज्य के विभिन्न राजनीतिक दलों से कई प्रमुख नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत संस्थाएं और समाज के विविध वर्गों को भाजपा की मुख्यधारा से जोड़ने की मुहिम रविंद्र चव्हाण ने तेज कर दी है।

हाल ही में मुंबई में हुए एक कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण को अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए रविंद्र चव्हाण ने कहा कि मजदूर वर्ग की समस्याओं का समाधान भाजपा की विचारधारा में ही निहित है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय के दिव्य स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा परिवार सदैव प्रतिबद्ध है। इसीलिए मजदूर वर्ग की तमाम छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान केवल भाजपा की विचारधारा में निहित है, जिससे मजदूर वर्ग भाजपा की ओर आकर्षित हो रहा है। इसी का एक उदाहरण है कि महाराष्ट्र के कोने-कोने से बड़ी संख्या में मजदूर वर्ग भाजपा परिवार में शामिल हो रहा है।

शिव वाहतूक सेना उबाठा गुट के महाराष्ट्र अध्यक्ष डॉ. महेश सुधाकर पोरे, महाराष्ट्र उपाध्यक्ष संजय चावनेकर, रायगढ़ जिला अध्यक्ष

अच्युत पाटिल, रायगड जिला संघटक विनायक बेलोसकर, खारघर शहर अध्यक्ष मोहसिन शेख के साथ-साथ मुंबई, नवी मुंबई, रायगड, धुले, जळगाव, चंद्रपुर, बीड़ आदि स्थानों के शिव वाहतूक सेना के जिलाध्यक्ष और पदाधिकारियों ने आज विकास का कमल थाम लिया है। इसके अतिरिक्त इंडिगो एजाइल एयरपोर्ट प्रा. लि. (मुंबई एयरपोर्ट), बीडब्ल्यूएफएस (मुंबई एयरपोर्ट), एयर इंडिया, स्पाइसजेट एयरलाइंस आदि विभिन्न परिवहन मजदूर संगठनों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों ने भी भाजपा का ध्वज थाम लिया। अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ का अध्यक्ष पद मजदूर वर्ग ने अत्यंत विश्वास के साथ मुझे सौंपा है, इस विश्वास को मैं कभी टूटने नहीं दूंगा! मैं आपके कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा और आपकी सभी मांगों को पूरा करने का प्रयास करूंगा, ऐसा आश्वासन रविंद्र चव्हाण ने दिया। उन्होंने कहा कि मजदूर वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए वे लगातार मजदूरों के साथ खड़े रहेंगे और संघर्ष करेंगे। साथ ही उन्होंने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि माननीय प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और माननीय देवेंद्रजी के नेतृत्व वाली भाजपा-महायुती सरकार के एक विचारधारा वाले प्रशासन के माध्यम से मजदूर वर्ग की समस्याओं का समाधान निश्चित रूप से होगा।

प्रकाश स्तंभ की तरह लल्लन तिवारी समाज को कर रहे आलोकित : कृपाशंकर सिंह

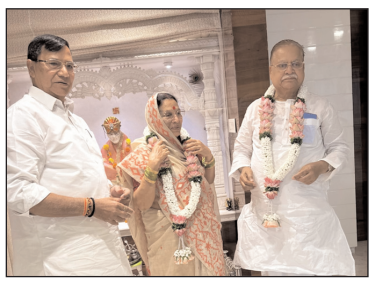

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा का प्रकाश स्तंभ बनकर पंडित लल्लन तिवारी संपूर्ण समाज को आलोकित कर रहे हैं। राहुल एजुकेशन आज देश का अग्रणी शिक्षण संस्थान बन चुका है । राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी की शादी की 60 वीं सालगिरह पर उनका तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कांति तिवारी का सम्मान करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने वाले लल्लन तिवारी ने अपनी उपलब्धियों से संपूर्ण उत्तर भारतीय समाज को गौरवान्वित किया है। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि अपने बच्चों की अधिक उम्र में शादियां करने वाले लोगों के लिए पंडित लल्लन तिवारी की शादी की साठवीं सालगिरह एक संदेश है। समाज को इस दिशा में आत्म मंथन करना चाहिए। अधिक उम्र में हो रही शादियों के चलते दादा दादी, नाना नानी, बहन बहनोई, चाचा चाची जैसे अनेक रिश्तों के विलुप्त हो जाने का खतरा मंडरा रहा है। इस अवसर पर राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल तिवारी, सहसचिव कृष्णा तिवारी, सीओओ उत्सव तिवारी उपस्थित रहे।

डोंबीवली में स्वातंत्र्यवीर सावरकर की मनाई गई 142वीं जयंती

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली में स्वातंत्र्यवीर सावरकर की 142वीं जयंती के उपलक्ष्य में सावरकर उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में सावरकर विषयक लेखक और अभ्यासक अक्षय जोग ने कहा कि सावरकर एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे। वे लेखक, कवि, नाटककार और दार्शनिक तो थे ही, साथ ही प्रखर हिंदुत्ववादी विचारधारा के उतने ही प्रगतिशील और दूरदर्शी नेता भी थे। उन्होंने भारत के बारे में पिछली सदी में जो अनेक बातें कही थीं, वे आज हूबहू घटित होती दिख रही हैं। अंतरराष्ट्रीय समाचार पत्रों में सावरकर की पहचान एक हिंदू देशभक्त के रूप में होती थी। उन्होंने जात-पात से मुक्त हिंदुओं के संगठन की आवश्यकता एक सदी पहले ही प्रस्तुत की थी, यही उनकी दूरदर्शिता थी।

स्वातंत्र्यवीर सावरकर के अपरिचित पहलू और आज का भारतइस विषय पर जोग का भाषण हुआ, जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में डोंबिवलीवासी एकत्रित हुए थे।

सावरकर से अंग्रेज डरते थे, इस संदर्भ में भारत और विदेशों में घटित अनेक घटनाओं का वर्णन जोग ने विस्तार से किया, जिसे श्रोताओं ने उत्साहपूर्वक सुना। सावरकर के मार्सेल्स समुद्र में कूदने के बाद फ्रेंच सरकार ने उन्हें अंग्रेजों को सौंप दिया था, जिससे तत्कालीन फ्रांस सरकार को अपने देश में भारी जनरोष का सामना करना पड़ा था। इसी घटना से सरकार-विरोधी असंतोष की चिंगारी भड़की और अंततः फ्रांस की तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। इस इतिहास को अक्षय जोग ने श्रोताओं के सामने स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। इसे सुनते समय श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। इस कार्यक्रम में भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री शशिकांत कांबले, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदू परब, भाजपा डोंबिवली ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मनीषाताई राणे, भाजपा डोंबिवली पश्चिम मंडल अध्यक्ष प्रियाताई जोशी, डोंबिवली पूर्व मंडल अध्यक्ष मितेश पेणकर, डोंबिवली पश्चिम मंडल अध्यक्ष पवन पाटिल, वरिष्ठ नगरसेवक राहुल दामले, पप्पू म्हात्रे, निलेश म्हात्रे, विनोद काळण, पूर्व नगरसेविका खुशबू ताई चौधरी, रेखाताई चौधरी और समस्त सावरकर प्रेमी डोंबिवलीवासी उपस्थित थे।

नशा करने वाले 6 युवकों पर कोलसेवाड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया

नशा करते वायरल हुई थी वीडियो

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण के कोलसेवाड़ी स्थित एक स्कूल परिसर में कुछ युवकों द्वारा नशा करने का वीडियो 27 मई को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो के सामने आने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर कोलसेवाड़ी पुलिस ने जांच कर वीडियो में दिख रहे 6 युवकों की पहचान की और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस जांच में पता चला कि इनमें से चार नाबालिग हैं जिन्हें उनके माता-पिता के हवाले कर समझाया गया। वहीं 19 वर्षीय और18 वर्षीय युवक के खिलाफ सिगरेट व तंबाकू अधिनियम 2003 की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस

कार्रवाई को कल्याण परिमंडल 3 के पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे, सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणजी घेटे और कोलसेवाड़ी पुलिस निरीक्षक गणेश न्हायदे के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। गुन्हे शोध पथक के एपीआई दर्शन पाटील, हवालदार सौंदाणे, कापडी, बोरसे, सांगले, शिपाई सोनावले व गीते की भूमिका उल्लेखनीय रही।

हेल एनर्जी ड्रिंक ने भारत में ब्रांड के चेहरे के रूप में क्रिकेटर श्रेयस अय्यर का स्वागत किया

मुंबई। दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते एनर्जी ड्रिंक ब्रांड में से एक हेल एनर्जी ड्रिंक ने भारत में ब्रांड का चेहरा बनने की घोषणा की है। यह भागीदारी देश भर में उपभोक्ताओं और उत्साही लोगों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने के लिए ब्रांड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वह वैश्विक आइकन मिशेल मोरोन के साथ जुड़ते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हेल एनर्जी ड्रिंक का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे ब्रांड वैश्विक अपील और स्थानीय प्रासंगिकता के एक शक्तिशाली मिश्रण के रूप में स्थापित होता है।

ब्रांड के चेहरे के रूप में श्रेयस संचार टचपॉइंट पर सक्रिय रहेंगे, जिसका ध्यान भारत के उभरते हुए एनर्जी ड्रिंक उपभोक्ताओं को जोड़ने पर रहेगा। वह हेल एनर्जी ड्रिंक और इसके उत्पादों की रेंज का प्रतिनिधित्व करेंगे, साथ ही भारत में इसके सबसे बड़े उपभोक्ता अभियान का भी प्रतिनिधित्व करेंगे। इस साझेदारी के साथ, हेल एनर्जी ड्रिंक का लक्ष्य भारत में अपनी उपस्थिति को और बढ़ाना है, जो श्रेयस अय्यर के गतिशील व्यक्तित्व, एथलेटिक उत्कृष्टता और लगातार बढ़ते प्रशंसक आधार के साथ सरेखित है। अपने निरंतर प्रदर्शन, गतिशील व्यक्तित्व और मैदान पर और बाहर नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले श्रेयस, हेल एनर्जी ड्रिंक के मूल्यों को पूरी तरह से दर्शाते हैं।

हेल-एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक उन्नीकनन गंगाधरन ने कहा, ₹हमें हेल एनर्जी ड्रिंक परिवार में श्रेयस अय्यर का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। एक बेहतरीन युवा आइकन के रूप में श्रेयस हमारे ब्रांड सिद्धांतों से पूरी तरह मेल खाते हैं।

उनका दृढ़ संकल्प, स्टाइल और जीतने की मानसिकता उन्हें भारत में हेल एनर्जी ड्रिंक के लिए एक आदर्श चेहरा बनाती है, खासकर इसलिए क्योंकि हम ऐसे उपभोक्ताओं से जुड़ते हैं जो साहसी, महत्वाकांक्षी और ऊजार्वान हैं। साझेदारी पर अपने विचार साझा करते हुए श्रेयस अय्यर ने कहा, ₹मैं भारत में ब्रांड के चेहरे के रूप में हेल एनर्जी ड्रिंक से जुड़कर रोमांचित हूं।

पालघर जनपद में खरीफ सीजन हेतु धान बीज वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला परिषद द्वारा खरीफ हंगाम के तहत धान बीज वितरण योजना का शुभारंभ बुधवार 28 मई 2025 को पंचायत समिति, पालघर कार्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, गट विकास अधिकारी(प्र.) बापुराव नाले, कृषि विभाग के अधिकारीगण और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि पालघर जिला परिषद के कृषि विभाग द्वारा पिछले तीन वर्षों से किसानों को 50% अनुदान पर धान बीज वितरित किए जा रहे हैं। इस वर्ष भी इस योजना के अंतर्गत बड़े पैमाने पर बीजों का वितरण किया जा रहा है। जिले की सभी पंचायत समितियों – पालघर, डहाणू, तलासरी, विक्रमगड, जव्हार, मोखाडा, वसई और वाडा में बीज पहुंच चुके हैं और वितरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिला

परिषद सेस फंड की 49 लाख रुपये की योजना के अंतर्गत महाबीज से 846 क्विंटल और बालासाहेब सावंत कोकण कृषि विद्यापीठ से 934 क्विंटल, इस प्रकार कुल 1780 क्विंटल धान बीज की खरीदी की गई है। इसमें 50% राशि लाभार्थी किसानों से और शेष 50% जिला परिषद सेस फंड से वहन की जा रही है। इस योजना में कर्जत-3, कर्जत-5, कर्जत-7, सुवर्णा, एमटीयू-1010, को-51, एमटीयू-1153, कर्जत-9, आरटीएन-6 और आरटीएन-7 जैसे उन्नत किस्मों को शामिल किया गया है। इस योजना से अनुमानतः 5500 से 6000 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने किसानों से संवाद करते हुए उन्हें इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने और कृषि उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे उपयुक्त बीजों का चयन करें और खेती में बेहतर उत्पादन प्राप्त करें। इस मौके पर कृषि अधिकारी स्मिता पाटील, विस्तार अधिकारी सुनील म्हात्रे, विजयकुमार पोटे, दीपाली चव्हाण समेत अनेक कृषकगण उपस्थित थे।

विजय सेल्स की ऐपल डेज सेल शुरू

मुंबई। भारत की प्रीमियर इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन, विजय सेल्स की को बहुप्रतीक्षित ऐपल डेज सेल शुरू हो चुकी है जिसमें नवीनतम आईफोन, आईपैड, मैकबुक्स, ऐपल वॉच, एयरपॉड्स सहित पूरे ऐपल प्रोडक्ट लाइनअप और अन्य पर उल्लेखनीय डील्स मिलेंगे। ऐपल डेज सेल की हाइलाइट पूरे आइफोन लाइनअप पर मिलने वाली बेहतरीन छूट है। इस स्पेशल सेल का समापन 1 जून, 2025 तक हो सकता है।

मौजूदा फ्लैगशिप आईफोन 16 सीरीज अभूतपूर्व कीमतों पर उपलब्ध होगी, जिसमें आईसीआईसीआई, एक्सिस और कोटक महिन्द्रा बैंक कार्ड पर 4,000 रुपये तक तक की तत्काल छूट शामिल है। आईफोन 16 की शुरूआती कीमत 66,990 रूपए होगी, जो सामान्य रिटेल कीमत से काफी कम है। आईफोन 16 प्लस की शुरूआती कीमत 74,990 रुपए होगी, जिससे यह बड़ी स्क्रीन वाला वेरिएंट और भी ज्यादा सुलभ हो जाएगा। आईफोन 16 प्रो (128GB) की शुरूआती कीमत 103,990 रुपए होगी, जिससे आपको ज्यादा किफायती कीमत पर प्रोफेशनल-ग्रेड फोटोग्राफी की क्षमताएं मिलेंगी। आईफोन 16 प्रो मैक्स (256GB) की शुरूआती कीमत 1,27,650 रूपए होगी, जिससे न केवल आपको बेहतरीन आईफोन अनुभव मिलेगा बल्कि काफी बचत भी होगा। आईफोन 16ई (128GB) की शुरूआती कीमत 47,990 रूपए होगी, जो कि किफायती कीमत पर उल्लेखनीय क्षमता देगा।

आईफोन 15 और आईफोन 15 प्लस के पिछले जेनरेशन के मॉडल्स पर भी शानदार छूट और ऑफर्स मिलेंगे, जिनमें आईसीआईसीआई, एक्सिस और कोटक महिन्द्रा बैंक कार्ड पर सीधे 3,000 रूपए की की तत्काल छूट शामिल है। आईफोन 15 एक फ्लैगशिप मॉडल के रूप में बेहतरीन वैल्यू पेश करता है, जिसकी कीमत अब 58,490 रूपए से शुरू होगी। 66,990 रूपए से शुरू होने वाला आईफोन 15 प्लस मिड-टियर कीमत पर बड़ा डिस्प्ले अनुभव उपलब्ध कराता है। सिर्फ 43,790 रूपए से शुरू होने वाला आईफोन 13 अब ऐपल इकोसिस्टम में शुरूआत करने का एक बेहतरीन विकल्प बन गया है। आईफोन 16 सीरीज, आईफोन 16 प्रो सीरीज, आईफोन 16ई, आईफोन 15 और आईफोन 15 प्लस की खरीद पर भी आईसीआईसीआई, एक्सिस और कोटक महिन्द्रा बैंक काड्र्स का उपयोग करने वाले ग्राहकों को 4,000 रूपए तक की तत्काल छूट मिल रही है, जिससे ये डील को और भी आकर्षक बनाती है। इसके अलावा, ग्राहक विजय सेल्स के ऑफलाइन स्टोर्स पर पुराने पात्र स्मार्टफोन्स के एक्सचेंज पर 7,500 रूपए तक का एक्सचेंज बोनस भी पा सकते हैं।

आईपैड और मैक पर ऑफर्स: विजय सेल्स ऐपल डेज प्रमोशन के तहत ऐपल की कंप्यूटिंग लाइनअप पर शानदार छूट दी जा रही है, जिसमें आईपैड रेंज की कीमतें 30,200* रूपए से शुरू होती हैं। इन कीमतों में आईसीआईसीआई, एक्सिस और कोटक महिन्द्रा बैंक काड्र्स पर 3,000 रूपए तक की तत्काल छूट शामिल है। आईपैड 11ई जेनरेशन की कीमत 30,200* रूपए से शुरू होगी, जिसमें बेहद किफायती कीमत पर प्रीमियम फीचर्स को पेश किया जाएगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

करंट से युवक की मौत, दर्जनों घरों के उपकरण राख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के विजयगिरी पोखरा गांव स्थित पांडेय बस्ती में बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। अचानक हाई टेंशन करंट घरों में दौड़ गया, जिससे दर्जनों घरों के इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिक उपकरण जलकर नष्ट हो गए। इस दुर्घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत भी हो गई। गांव निवासी 28 वर्षी अनिल पांडेय का पुत्र सूरज पांडेय अपने घर में स्टेबलाइजर से धुआं निकलता देख मेन स्विच बंद करने गया। जैसे ही उसने स्विच को छूआ, तेज वोल्टेज ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और वह करंट से झुलस गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।परिजन सूरज को लेकर तत्काल भदोही के एक अस्पताल भी गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूरज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसके पीछे पत्नी रुचि और दो वर्षीय पुत्र सिद्धार्थ है। बेटे की असामयिक मृत्यु से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजन शव को दाह संस्कार के लिए वाराणसी के मणिकर्णिका घाट ले गए हैं। इस हादसे से गांव में दहशत और आक्रोश दोनों का माहौल है। ग्रामीणों की मांग है कि विद्युत विभाग इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करे और पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिलाए।

कचगांव बाजार में बदमाशों ने व्यापारी को मारकर किया घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के कचगांव बाजार में बुधवार की सुबह बदमाशों ने एक व्यापारी को उसकी दुकान पर चढ़कर चाकू और पंच आदि में मारपीट कर घायल कर दिया। जब तक पुलिस पहुंचती तक हमलावर भाग निकले। कचगांव नगर पंचायत के वार्ड जेठपुरा निवासी अताउल्लाह अंसारी 52 ने बाजार में स्थित शराब ठीके के बगल में जूते चप्पल और जनरल स्टोर की दुकान खोल रखी है।

डॉ. मधु शारदा के सारगर्भित संदेश के साथ अल्बर्ट डेविड लिमिटेड की पहल

मासिक धर्म स्वच्छता पर टूटी चुप्पी, जागरूक हुई छात्राएं

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर आज अल्बर्ट डेविड लिमिटेड द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एक प्रेरणादायक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृष्णा पैरामेडिकल एवं नर्सिंग कॉलेज में आयोजित किया गया। जिसमें छात्राओं को मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और स्वच्छता के महत्व को समझाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जौनपुर जिले की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ और आईवीएफ स्पेशलिस्ट डॉ. मधु शारदा रहीं। उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में कहा, मासिक धर्म कोई शर्म या छिपाने की चीज नहीं है। यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसे समझना और स्वीकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है। आइए, हम चुप्पी तोड़ें, एक-दूसरे को शिक्षित करें। सशक्त बनाएं और उनका समर्थन करें।

डॉ. शारदा ने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ इस विषय पर बात करने की सीख दी और कहा कि जब तक हम इस विषय पर खुलकर संवाद नहीं करेंगे, तब तक समाज में बदलाव संभव नहीं होगा। इस जागरूकता सत्र का मुख्य उद्देश्य नर्सिंग स्टाफ को मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबंधित जरूरी जानकारी देना था, ताकि वे स्वयं के साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक कर सकें। कार्यक्रम में वेजाइनल इन्फेक्शन में प्रोबायोटिक्स की भूमिका पर भी चर्चा हुई, जिसमें बताया गया कि ये किस प्रकार संपूर्ण प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।कार्यक्रम के अंत में कॉलेज की प्रिंसिपल कुमार सभ्यता ने सभी अतिथियों और छात्राओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इस तरह के कार्यक्रम छात्राओं के जीवन में एक सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास भरते हैं। अल्बर्ट डेविड लिमिटेड की ओर से क्षेत्रीय प्रतिनिधि देवेश गुप्ता ने डॉ. मधु शारदा का आभार व्यक्त करते हुए सभी छात्राओं को शपथ दिलाई कि वे इस कार्यक्रम से मिली जानकारी को अपने समुदाय में साझा करें और इस मुहिम को जन-जन तक पहुंचाएं।यह कार्यक्रम न केवल एक जागरूकता अभियान था।बल्कि समाज में एक महत्वपूर्ण और लंबे समय से अनदेखी की जा रही विषय पर संवाद की पहल भी थी। इस सराहनीय प्रयास ने यह संदेश दिया कि मासिक धर्म स्वच्छता की जिम्मेदारी सिर्फ महिलाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है।

सिकरारा पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार, कब्जे से 04 जिन्दा गोवंश व 02 पिकअप बरामद

सिकरारा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन में शासन द्वारा चलाये जा रहे ।अपराध एवं अपराधियो पर रोक लगाने व वाछिंत गिरफ्तारी के विरूद्ध अभियान के तहत थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 156/25 धारा 3/5अ/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रुरता अधिनियम सम्बन्धित आरोपीगण को आज दिनांक-28.05.2025 को गिरफ्तार किया गया। जिसको थाने पर लाकर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों में आसीफ पुत्र कलीम ग्राम करकी मैनर थाना करमा जिला सोनभद्र, राजनाथ यादव पुत्र गोपाल यादव ग्राम कमोजी थाना राबर्टगंज जिला सोनभद्र, श्रीराम सिंह पुत्र जमुना सिंह निवासी नरायणपुर थाना मेहनाजपुर जिला आजमगढ़, मुकेश कुमार निषाद पुत्र स्व0 जगदेव निषाद निवासी ग्राम फत्तुपुर अजोशी थाना सिकरारा जनपद जौनपुर शामिल है।

ट्रिपल हत्याकांड के शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने पहुंचा लोजपा प्रतिनिधि मंडल

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ग्राम मोहम्मदपुर कांध थाना जफराबाद जनपद जौनपुर में शोकाकुल परिवार से मिला। विगत 25 मई को लालजी राम व उनके दोनों पुत्रों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। मृतक लालजी राम, गुड्डू, देउराम की निर्मम हत्या कर दी गई। शोकाकुल परिवार से मिलकर प्रतिनिधि मंडल ने शोक संवेदना व्यक्त की और प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने उच्च अधिकारियों से वार्ता कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। सदर उपजिलाधिकारी से टेलीफोन से वार्ता कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने के लिए निर्देशित किया। उच्च अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया कि कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने और आर्थिक सहायता जल्द ही की जाएगी। राजीव पासवान ने परिवार वालों को आश्वासन दिया कि जल्द ही मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश और केंद्रीय मंत्री भारत सरकार चिराग पासवान एवं अरुण भारती /मुख्य सचेतक को भी जल्द ही अवगत कराएंगे। प्रतिनिधि मंडल के साथ मुख्य रूप से। विकास पांडेय प्रदेश महासचिव (प्रवक्ता)प्यारे लाल सरोज (प्रदेश उपाध्यक्ष) जितेंद्र पासी (प्रदेश महासचिव)प्रेम पासी प्रदेश सचिव/प्रभारी जौनपुर रीता सरोज जिलाध्यक्ष (जौनपुर) शुभम पांडेय, ग्राम प्रधान काजू दूबे, पप्पू तिवारी , रिंकू यादव आदि कार्यकर्ता शोकाकुल परिवार से मिले।

बाइक से खाई में गिरकर युवक की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सुजानगंज में प्रयागराज-बदलापुर मार्ग पर छंगापुर नहर पुलिया के पास एक दुर्घटना में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पट्टी थाना क्षेत्र के ग्राम असुडी निवासी चंद्रभूषण पाल के पुत्र सुभम पाल के रूप में हुई है।घटना के समय सुभम अपने मामा अच्छे लाल पाल के घर रायपुर जा रहा था। प्रयागराज की ओर से आ रहे सुभम का वाहन नहर पुलिया के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सुभम को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

जिले में दो व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाए गए: सीएमओ

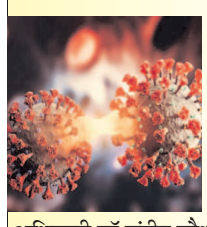

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद में दो व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाए गए हैं जो बीएचयू के लैब में कार्यरत थे। दोनो व्यक्तियों द्वारा देश के अन्य प्रदेशों में भ्रमण किया गया है। इस समय दोनों लोग अपने अपने घरों पर आइसोलेशन में है, जहां पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। इसकी जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी के द्वारा दी गयी।जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार के दिए गये निदेर्शानुसार सीएमओ ने बताया कि जिले के सभी जनपद स्तरीय चिकित्सालयों में संभावित कोविड संक्रमित व्यक्तियों के जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। जिनकी सूचना यूडीएसपी पोर्टल (यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस प्लेटफार्म) पर भरना होगा तथा एकत्रित किए गए सैंपल की जांच करने के लिए बीएचयू के लैब में भेजा जाएगा।

तरवां में महिला की पत्थर से कूचकर हत्या से मचा हड़कंप

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले में तरवां थाना क्षेत्र के किशुनदासपुर में बुधवार की सुबह छत पर सो रही महिला का खून से लथपथ लाश मिला है। घटना की जानकारी होते ही गांव में सनसनी फैल गई। रात की ड्यूटी करके आए पति ने लाश देखकर पुलिस को बुला लिया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। बीती रात 55 वर्षीय रामदुलारी तिवारी प्रतिदिन की तरह अकेले छत पर सो रही थीं। उनके पति अगस्त तिवारी होमगार्ड हैं। वे रात की ड्यूटी करने के लिए गए थे। बुधवार की सुबह जब वह ड्यूटी से लौटे तो उन्होंने दरवाजा न खुलने पर आवाज लगाई। अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो वे बांस की सीढ़ी लगाकर छत पर पहुंचे। तो रामदुलारी का रक्त रंजित शव देखा। मृतका के शरीर पर चोट के निशान थे और चारो तरफ खून फैला हुआ था। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उसने हमलावर के साथ जमकर मुकाबला किया था।मृतका के सात बेटियां और एक बेटा है। इसमें पांच बेटियों की शादी हो चुकी है। घटना के समय दो बेटियां ननिहाल गई थीं और बेटा बाहर था।हत्या की सूचना मिलते ही सीओ लालगंज और एसओ तरवां मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

तीन बदमाशों को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सौंपा

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कोतवाली क्षेत्र के बंबावन गांव के देवरिया पूरवा में रविवार की देर रात उस समय अपरा तफरी मच गई जब लगभग डेढ़ दर्जन की संख्या में बदमाशों ने एक घर पर धावा बोल दिया। हमलावर अपराधी प्रवृत्ति के युवक अनिल यादव उर्फ फौजी की तलाश में आए थे। ग्रामीणों की एकजुट होकर ललकारने पर बदमाशों में भागने लगे। उनमें से तीन को ग्रामीण पड़कर पुलिस को सौंप दिया। लगभग नौ बाइक से बदमाश अनिल यादव के घर पर चढ़ आए। अनिल यादव को न पाकर गाली गलौज करने लगे। ग्रामीणों की नींद खुल गई। ग्रामीण ललकारते हुए बदमाशों की घेराबंदी करने लगे। खुद को घिरता पाकर बदमाश ईट-पत्थर चलाते हुए भागने लगे। रास्ते में मिले सुरसेन यादव नामक युवक को पथराव कर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने तीन बाइक सहित तीन बदमाश को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय ने बताया कि पूछताछ के बाद तीनों का शांति भंग में चालान कर दिया गया।

एग्जाम के पहले मिली मौत, परीक्षा देने जा रहे युवक की चाकू से गला रेत कर हत्या

परिजनों में मचा कोहराम, पुलिस बता रही प्रेम प्रसंग का मामला

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के समाज गंज बाजार के पास बुधवार को एक युवक की चाकू मार कर हत्या कर दी गई मृतक की पहचान अनुज यादव निवासी जमालपुर थाना मछली शहर के रूप में हुई है। हत्या का आरोपी उसी गांव के मनोज यादव पर लगा हैं। वारदात के पीछे आसनाई बताई जा रही हैं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । घटना के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक देहात आतिश कुमार सिंह ने बताया की आरोपित की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे है और मामले की गहन जांच जारी है। वारदात के पीछे प्रेम प्रपंच बताया जा रहा है। अनुज यादव बीफार्मा का छात्र था जो प्रसाद इंस्टीट्यूट जौनपुर परीक्षा देने हेतु मोटर साइकिल से जा रहे थे। मृतक अनुज यादव कुल दो भाई हैं अनुज घर में सबसे छोटा भाई था। पिता मुंबई में रहकर मेहनत मजदूरी कर के परिवार का भरण पोषण करते हैं।परिजनों और स्थानीय लोगो में घटना को लेकर भारी आक्रोश हैं। इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।लेकिन अल सुबह लबे रोड पर खुलेआम इस तरह हत्या को अंजाम देना यह दर्शा रहा है कि अपराधियों के हौसले बुलंद हो चुके हैं और पुलिस उनके आगे अपनी घुटने टेक चुकी है।

चौबेपुर में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चौबेपुर के मोलनापुर गांव के समीप वाराणसी-गाजीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती रात विपरीत दिशा में आ रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने तेज धक्का मार दिया। हादसे में ससुराल से लौट रहे युवक की मौत हो गई। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी थी।मृतक की पहचान छितौना के सीताराम (35) पुत्र विजय लाल के रूप मे हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक के भाई दयाराम ने बताया कि मंगलवार की शाम चार बजे सीताराम अपने घर छितौना से ससुराल कटारी धरसौना चोलापुर गया हुआ था। वहां से खाना-पीना खाकर वह देर रात घर लौट रहा था। वह मोलनापुर नहर के मोड़ पर पहुंचा ही था, तभी उसी लेन पर वाराणसी की तरफ आ रही एक अज्ञात वाहन ने बाईक सवार सीताराम को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे पं. दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल भेजा जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के घर में कोहराम मच गया है। मृतक की पत्नी प्रतिमा का रो-रो कर होश हो जा रही थी। मृतक को दो बेटियां आंचल व चंचला के साथ बेटा सिद्धार्थ है। वह घर का इकलौता कमाने वाला था। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा मय फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सिर से अत्यधिक रक्तस्राव हो जाने के कारण मौत हो गई।

किसान को मिला सिंचाई सोलर पम्प, अब सिंचाई करना होगा आसान

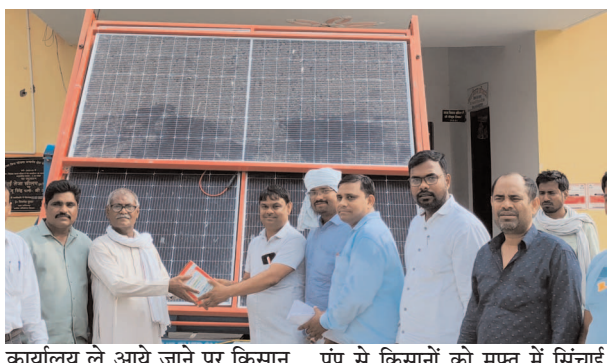

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय सीएम लघु सिंचाई योजनांतर्गत प्रदेश सरकार किसानों को सिंचाई के लिए ट्रॉली माउंटेड सोलर पंप दे रही है। इसके तहत बुधवार को सोंधी ब्लाक में सुरिस गांव निवासी किसान राजेंद्र प्रसाद को ट्रॉली माउंटेड सोलर पंप दिया गया। ट्रॉली माउंटेड सोलर पंप लेने वाले यह पहले किसान हैं।सीएम लघु सिंचाई सिंचाई योजना के तहत सरकार सब्सिडी भी दे रही है। प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह की पहल पर योजना का लाभ उठाते हुए किसान राजेन्द्र प्रसाद ने सब्सिडी काटकर 79 हजार रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा किया था। इसके बाद ट्रॉली माउंटेड सोलर पंप सोंधी ब्लाक कार्यालय ले आये जाने पर किसान को दिया गया। एडीओ एमआई रमेश कुमार ने किसान को ट्रॉली माउंटेड सोलर पंप सौंपने के बाद बताया कि इन पंपों को ट्रॉली पर लगाया जाता है। जिससे इन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना आसान हो जाता है। इस पंप से किसानों को मुफ्त में सिंचाई करने की सुविधा मिलती है। इस मौके पर एडीओ एसटी राकेश बहादुर सिंह, एडीओ आईएसबी, प्रमोद कुमार सिंह, आजाद सिंह, बोरिंग टेक्नीशियन शशि सिंह, संदीप द्विवेदी,कमलाकांत मौर्य, विजय यादव मौजूद रहे।

गांव में विश्वविद्यालय ने लगाया तीन दिवसीय योग शिविर

ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का मिला संदेश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा करंजकला ब्लॉक के डालहनपुर गांव के बहुउद्देशीय पंचायत भवन में तीन दिवसीय योग शिविर की शुरूआत बुधवार को हुई। शिविर में विश्वविद्यालय के योग विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों से परिचित कराया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के निर्देश पर इस शिविर का आयोजन किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में योग प्रचार - प्रसार के अंतर्गत तीन दिवसीय नवचेतना एवं बाल चेतना शिविर में ग्रामीणों को योगासन, भस्त्रिका प्राणायाम एवं रामध्यान कराया गया। मुख्य योग प्रशिक्षक जय सिंह एवं बेंगलुरु से आए हुए सह योग प्रशिक्षक विनय द्वारा शिविर के पहले दिन ग्रामीणों को योग कराया गया। योग प्रशिक्षक जय सिंह ने कहा कि योग सिर्फ हमारे शरीर को ही नहीं बल्कि हमारे मन को भी शांति प्रदान करता है। योग को अपने दैनिक दिनचर्या में जोड़कर हम प्रसन्नचित रह सकते हैं। शिविर के प्रथम दिवस ग्रामीणों ने चढ़-बढ़ कर प्रतिभाग किया और डालहनपुर के प्रधान कपिल देव सिंह, विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर राजकुमार सोनी, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ इंद्रेश कुमार, समेत ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बरसठी पुलिस द्वारा 05 महिला व एक पुरूष आरोपी को किया गिरफ्तार

कब्जे से 19700/-रुपए व घटना मे प्रयुक्त 01 बोलेरो वाहन बरामद

बरसठी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा चलाये जा रहे।अभियान अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित/ वारण्टियों तथा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण एवं दिशाझनिर्देशन मे व प्रभारी निरीक्षक बरसठी राजेश यादव के नेतृत्व मे उ0नि0 रामभवन यादव मय हमराह के महिला आरोपीगण व पुरुष आरोपी 1.तारा पत्नी रामाश्रय निवासिनी ग्राम बढ़ौना थाना फूलपुर वाराणसी,2.मंगरा पत्नी जुल्मी निवासिनी ग्राम मकरा थाना जलालपुर जौनपुर,3.गीता पत्नी राजकुमार निवासिनी ग्राम हिरावनपुर थाना सिंधौरा जनपद वाराणसी 4.मीरा पत्नी राकेश हरिजन निवासिनी ग्राम हिरावनपुर थाना सिंधौरा जनपद वाराणसी 5.रीता पत्नी मूसेराम ग्राम परसई थाना कोतवाली गाजीपुर जनपद गाजीपुर 6. सन्तोष राम पुत्र कमला राम निवासी ग्राम तुरना थाना नन्दगंज जनपद गाजीपुर को दिनांक-27.05.2025 को रायपुर दुर्गा देवी मंदिर से गिरफ्तार किया गया। दिनांक-20.05.2025 दिन मंगलवार को रायपुर दुर्गा देवी मंदिर पर दर्शन करने आयी महिलाओं से दर्शन करने के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर गले मे पहने चेन की चोरी की गयी थी। जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर राकेश कुमार यादव पुत्र स्व0 लालबिहारी यादव निवासी ग्राम गहलाई थाना बरसठी जौनपुर के तहरीर पर मु0अ0सं0-81/2025 धारा 303(2) बी0एन0एस0 मे पंजीकृत हुआ था विवेचना के दौरान मंदिर पर लगे सीसीटीवी कैमरे के परीशीलन से एक महिला का फोटो संदिग्ध परिस्थिति मे मिला। जिस पर थाना बरसठी के पुलिस बल सादे व वर्दी मे लगाया गया था और पुनः फोटो के अनुसार महिलाओ की पहचान मे पुलिस लगी थी कि दिनांक-27.05.2025 को दिन मंगलवार को पुनः मुखबीर द्वारा बताया गया कि जिस फोटो को आप लोगो ने दिखाया था वह महिला अपनी गैंग के साथ भीड़ में है उस दूर से लगातार निगरानी रखते हुए उक्त महिला को चिन्हित किया गया कि पुनः चोरी की घटना की पुनरावृत्ति मे लगी रही कि संदेह होने पर भीड़ से महिला आरक्षीगण के माध्यम से निकालकर पूछताछ की गयी तो पता चला कि मुख्य आरोपी रीता जनपद गाजीपुर की रहने वाली है जो अपने निजी बोलेरो से घूम कर अपने गैंग के साथ चोरी की घटना को अंजाम देती है।

फोन सिर्फ दृष्टि पर ही नही नींद और मानसिक स्तिथि पर भी डालता है प्रभाव : डॉ0 दानिश

डिजिटल स्क्रीनिंग स्वास्थ्य के लिए चिंता जनक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय नगर के बैंक ऑफ बड़ौदा के निकट रियाज आई क्लीनिक के चिकित्सक डॉ0 दानिश ने बुद्धवार को मीडिया कर्मियों से बातचीत चीत के दौरान बताया कि मोबाइल फोन ने दुनिया को एक छोटे से यंत्र में समेट दिया है। आज हम सूचना, शिक्षा, मनोरंजन और संवाद के तमाम साधन मात्र एक स्क्रीन पर पा सकते हैं। परन्तु इसी स्क्रीन ने धीरे-धीरे हमारे शारीरिक स्वास्थ्य, विशेषकर हमारी आँखों के स्वास्थ्य को संकट में डाल दिया है। आँखें शरीर का सबसे संवेदनशील अंग हैं, और मोबाइल के बढ़ते प्रयोग ने इन्हें प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली प्रकाश तरंगें, विशेष रूप से नीली रोशनी (ब्लू लाइट), आँखों की रेटिना पर सीधा असर डालती हैं। रेटिना की कोशिकाएं अत्यधिक प्रकाश से क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। लगातार मोबाइल देखने से आँखों में जलन, थकावट, धुंधलापन, लालपन,पानी आना या सूखापन जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। इसे डिजिटल आई स्ट्रेन कहा जाता है, जो आज शहरी आबादी में आम हो गया है। जब हम स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो सामान्य से कम बार पलकें झपकाते हैं। इससे आँखों की नमी कम होती है और सूखेपन की समस्या उत्पन्न होती है। यह स्थिति डिजिटल आई स्ट्रेन को जन्म देती है, जिसके लक्षण हैं झ आँखों में खिंचाव, दोहरी दृष्टि, जलन, सिरदर्द और आँखों का लाल होना,चिड़चिड़ापन। यह समस्या विशेष रूप से उन लोगों में देखी जाती है जो घंटों मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन पर काम करते हैं। मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप से निकलने वाली नीली रोशनी अत्यधिक ऊर्जा युक्त होती है, जो आँखों की रेटिना तक पहुँचती है। यह रेटिना की कोशिकाओं को धीरे-धीरे नुकसान पहुँचाती है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि अत्यधिक ब्लू लाइट के संपर्क से मैक्युलर

डीजेनेरेशन की संभावना बढ़ जाती है, जो दृष्टि को स्थायी रूप से कमजोर कर सकता है। बच्चों में मोबाइल का उपयोग शिक्षा के नाम पर तेजी से बढ़ा है।लेकिन इसके परिणामस्वरूप निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। पहले जो समस्या किशोर अवस्था में होती थी।वह अब कम उम्र के बच्चों में भी देखी जा रही है। मोबाइल स्क्रीन को अत्यधिक पास से देखने की आदत उनके आँखों की मांसपेशियों को प्रभावित करती है। जिससे दूर की वस्तुएँ धुंधली दिखने लगती हैं। वही रात को सोने से पहले मोबाइल का प्रयोग आज एक सामान्य आदत बन चुकी है। पर यह आदत नींद की गुणवत्ता पर बुरा असर डालती है। नीली रोशनी मस्तिष्क में मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकती है।जो नींद के लिए आवश्यक है। इससे नींद आने में देर होती है। नींद अधूरी रह जाती है और व्यक्ति अगली सुबह थका हुआ महसूस करता है। यह आँखों के नीचे काले घेरे और सूजन जैसी समस्याओं को भी जन्म देता है। मोबाइल को बहुत नजदीक से लगातार देखने पर आँखों की मांसपेशियों को लगातार समायोजन (accommodation) करना पड़ता है। इससे मांसपेशियाँ थक जाती हैं और कुछ समय बाद ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होती है। लंबे समय तक यह तनाव आँखों में स्थायी कमजोरी का कारण बन सकता है। जब आँखें थक जाती हैं।तो इसका प्रभाव केवल दृष्टि तक सीमित नहीं रहता। यह व्यक्ति की एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमता और मानसिक स्थिति पर भी प्रभाव डालता है। लगातार थकी आँखें सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और बेचैनी का कारण बनती हैं।जिससे काम की उत्पादकता भी प्रभावित होती है। इतना ही नहीं यह लत सामाजिक रिश्तों को प्रभावित करती है।बल्कि आँखों की नियमित कार्यप्रणाली को भी बाधित करती है। कई लोग अब बिना मोबाइल देखे नींद नहीं ले पाते, और सुबह उठते ही पहली नजर स्क्रीन पर जाती है। यह आदत आँखों के लिए हानिकारक है। ऐसे आदतों से बचने के लिए खेतासराय कस्बा रियाज क्लीनिक के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दानिश का कहना है कि हर 20 मिनट पर 20 फीट दूर किसी वस्तु को 20 सेकंड तक देखना चाहिए, मोबाइल में नाइट मोड या ब्लू लाइट फिल्टर ऑन करें, बार-बार पलकें झपकाना आँखों को तरल बनाए रखने में सहायक होता है, अंधेरे में मोबाइल देखने से आँखों पर ज्यादा दबाव पड़ता है, दृष्टि की कोई भी समस्या नजर आए तो नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य का विषय है। स्कूलों, कार्यस्थलों और परिवारों में स्क्रीन टाइम को लेकर जागरूकता फैलाना आवश्यक है। शिक्षा नीति में बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम की सीमा तय होनी चाहिए। सरकार और स्वास्थ्य संगठनों को मिलकर डिजिटल स्वास्थ्य के दिशा-निर्देश बनाने चाहिए, ताकि लोगों की दृष्टि सुरक्षित रह सके।निष्कर्षतः कह सकते है कि मोबाइल तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन यह सुविधा आँखों की दृष्टि को संकट में डाल रही है। आज जरूरत है संतुलन की तकनीक का समझदारी से उपयोग और स्वास्थ्य का समुचित ध्यान। आँखें केवल देखने का माध्यम नहीं, सोचने, समझने और महसूस करने का जरिया भी हैं। इन्हें बचाना, केवल स्वास्थ्य की नहीं, मानव सभ्यता की भी आवश्यकता है। यदि आज हम सचेत नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियाँ मोबाइल तो चलाएँगी।पर शायद दृष्टि इतनी स्पष्ट न रहे कि जीवन की सुंदरता को देख सकें,जो चिंता जनक हैं।

महाराजगंज में नए एसडीओ अनीता सिन्हा ने संभाला कार्यभार

-आत्मा कुमार सिंह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान महाराजगंज, अनुमंडल कार्यालय में नवपद स्थापित एसडीओ अनीता सिन्हा ने बुधवार को निवर्तमान एसडीओ अनिल कुमार से कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में नये एसडीओ अनीता सिन्हा ने कहा कि अनिल कुमार के बीते वर्षों के उत्कृष्ट कार्यकाल के बाद कार्यभार संभालना एक बड़ी चुनौती है. अनीता सिन्हा ने राजगीर में एडीओ व जहानाबाद में बतौर पीजीआरो के पद पर सेवा दे चुकी है और जनता के बीच अपनी सुलभता और संवेदनशील प्रशासन के लिए भी लोकप्रिय रही है।। अनुमंडल कार्यालय में नए एसडीओ को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में निवार्ची पदाधिकारी दिलीप कुमार सिंह, महाराजगंज सीओ जितेंद्र पासवान, बीडीओ बिंदु कुमार, अनुमंडल के बड़ा बाबू जितेंद्र कुमार सिंह ,बीडीओ के बड़ा बाबू रवि कुमार आदि लोग मौजूद थे।

सत्यापन में फर्जी शैक्षिक दस्तावेज मिलेने से आठ शिक्षक बर्खास्त

गोंडा (उत्तरशक्ति)। बेसिक शिक्षा विभाग में फर्जी दस्तावेजों के सहारे नियुक्ति के मामले में बुधवार को आठ शिक्षकों पर गाज गिरी। बीएसए अतुल कुमार तिवारी ने आठ शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया। बीएसए ने बताया कि 12,460 शिक्षक भर्ती के तहत दो चरणों में जिले में 30 दिसंबर 2023 और सात जनवरी 2024 को 637 अभ्यर्थियों को सहायक अध्यापक का नियुक्ति पत्र दिया गया था। इसमें संतोष कुमार, संजय कुमार शंखवार और अखिलराज आनंद नियुक्ति पत्र लेने के बाद भाग गए। संजय कुमार ने प्राथमिक विद्यालय मुंगरौल मुजेहना, भारत रत्न सोनी ने नरायनपुर साल करनैलगंज, हर्ष सिंह ने कंपोजिट विद्यालय बनकटी अर्जुन सिंह मुजेहना, रमाकांत श्रीवास्तव ने प्राथमिक विद्यालय कधरा इटियाथोक और अरुण कुमार सागर ने कंपोजिट विद्यालय लोहंगपुर डीह परसपुर का आवंटन कराया। मगर, नियुक्ति पत्र व विद्यालय आवंटन पत्र लेने के बाद विद्यालय नहीं पहुंचे। पटल प्रभारी नीरज त्रिपाठी की अगुवाई में इनके दस्तावेजों का सत्यापन कराया गया तो हकीकत सामने आ गई। पुलिस सत्यापन में निवास प्रमाणपत्र फर्जी पाया गया। आशंका है कि दूसरे के शैक्षिक अभिलेख पर नौकरी हासिल की गई। विभाग की ओर से इन्हें नोटिस जारी कर जानकारी मांगी गई तो भी कोई जवाब नहीं मिला।

25 हजार रुपये रिश्वत लेते राजस्व निरीक्षक गिरफ्तार

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। एंटी करप्शन की टीम ने बुधवार को सिराथू तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक मेवालाल को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। इन पर कौशाम्बी के सैनी थाना क्षेत्र के गांव धुमाई मुराईन का पुरवा में जमीन की पैमाइश कराने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप है। मंझनपुर के गांव चकमजरा थाम्भा निवासी मेवालाल को टीम बुधवार को वाराणसी के एंटी करप्शन कोर्ट में पेश करेगी।

कौशाम्बी के सैनी थाना क्षेत्र के गांव धुमाई मुराईन का पुरवा निवासी बीरेंद्र कुमार ने एंटी करप्शन टीम को बताया कि धुमाई की गाटा संख्या- 281, 379, 274, 377, 293 की पैमाइश कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। इस पर उपजिलाधिकारी सिराथू ने जमीन की पैमाइश कराने का आदेश दिया। आरोप है कि सिराथू तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक मेवालाल ने पैमाइश के लिए 25 हजार रुपये की मांगी की। शिकायत पर निरीक्षक अंजली यादव के नेतृत्व में निरीक्षक रविंद्र सिंह, अलाऊद्दीन अंसारी, वर्षा श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल अनिरुद्ध कुमार बलवंत, सुभाष चंद्र द्विवेदी, दीपक शुक्ला, विकास पांडेय समेत अन्य पुलिसकर्मियों की टीम बनाकर बुधवार को ट्रैप लगाया गया। दोपहर करीब 1:50 बजे टीम सादी वर्दी में शिकायतकर्ता के संग सिराथू रामलीला मैदान वार्ड नंबर आठ स्थित मेवालाल के घर पहुंची। जैसे ही बीरेंद्र ने मेवालाल को रिश्वत के 25 हजार रुपये थमाए तो एंटी करप्शन की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी मेवालाल की गिरफ्तारी के बाद एंटी करप्शन की टीम उसे लेकर मंझनपुर थाने पहुंची और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कराया।

निजी जमीन पर बनी चालों के प्रथम मंजिल वाले नागरिकों के हित से जुड़ी याचिका सर्वोच्च न्यायालय ने विचारार्थ की स्वीकार

गोपाल शेट्टी को मिली एक और सफलता

बोरीवली, मुंबई। मुम्बई को झोपड़पट्टी मुक्त कराने के विजन के साथ उसमें रहने वाले नागरिकों को खुद का पक्का मकान दिलाने के लिए वर्षों से प्रयास में जुटे उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी सदा से इस प्रयास में भी रहे हैं कि निजी जमीन की चालों में पहली मंजिल पर रहने वाले निवासियों को भी पक्का मकान दिला सकें। परंतु गत दिनों माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निरस्त की गई उनकी इस संदर्भ की याचिका के कारण उनकी मांग ,विशेषतः पहली मंजिल के लोगों के लिए पक्के मकान के प्रयास पर जैसे अंकुश सा लगने जैसी स्थितियां बन रही थीं, ऐसे में जनसेवक गोपाल शेट्टी ने तय किया कि प्राइवेट जमीन पर की चालों में पहले महले वाले के निवासी नागरिकों को भी पक्का मकान मिलने जैसे मुद्दे को सर्वोच्च अदालत ले जाकर न्याय की मांग करेंगे। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस संदर्भ की याचिका माननीय सर्वोच्च अदालत में दाखिल की और अपने इस प्रयास में वे सफल हो गए हैं क्योंकि सर्वोच्च अदालत ने उनकी याचिका विचारार्थ स्वीकार कर ली है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस प्राथमिक विजय पर हर्ष प्रकट करते हुए मीडिया से कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २०१५ में एक कानून बनाया था, जिसका उद्देश्य सभी को उनके हक का पक्का घर देना है। मैंने उसी के अंतर्गत सारा प्रयास जारी रखा है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे कहा कि निजी जमीनों पर जमीन मालिकों ने चालें बनाकर 30-40 वर्ष पूर्व मकान बेचे थे। जिन्होंने अच्छे खासे पैसे देकर मकान खरीदा ऐसे लोगों में पहली मंजिल के निवासियों के लिए एसआरए (झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना) में कोई प्रोविजन ना होने से मुंबई में हजारों लोग बेघर हो गए और हजारों नागरिक बेघर होने की कगार पर हैं। इस विषय को संज्ञान में लेते हुए तथा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सहयोग से इस मुद्दे पर मैंने जमीनी स्तर पर लड़ाई लड़ी थी। मेरे शुरूवाती प्रयास में निजी जमीन की चालों के पहली मंजिल वाले निवासियों को मकान देने की मांग पर उद्धव ठाकरे की सरकार ने उन्हें मकान देने से साफ इन्कार कर दिया था। जिसके बाद 2021 में इस मामले को लेकर मैं उच्च न्यायालय की शरण में गया। पर वर्ष 2024 में उच्च न्यायालय ने इस केस को ही खारिज कर दिया था। तब मैंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा दिया। अब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने मेरी याचिका विचारार्थ स्वीकार कर ली है और महाराष्ट्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने व जवाबतलब की ड्यू लाइन भी निर्धारित कर दी है। इससे बड़ी आशा का संचार हुआ है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इसके लिए एड. अमरेंद्र मिश्रा और एड. जे पी मिश्रा को धन्यवाद देते हुए विश्वास प्रकट किया है कि निजी जमीन की चालों के पहले माले वाले नागरिकों को अब न्याय अवश्य मिलेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन यानी हर नागरिक को हक का पक्का मकान जैसे दूरदर्शिता पूर्ण निर्णय को सफल बनाने के लिए ठोस आधार अमल में लाया जा सकेगा।

सील के बट्टे से कूच कर महिला की हत्या

आजमगढ़। आजमगढ़ के तरवां थाना क्षेत्र के किशुनदासपुर में बुधवार की सुबह छत पर सो रही महिला का रक्तरंजित शव मिला। घटना की जानकारी होते ही गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल में जुट गई। बीती रात 55 वर्षीय रामदुलारी तिवारी प्रतिदिन की तरह अकेले छत पर सो रही थीं। उनके पति अगस्त तिवारी होमगार्ड हैं। वे रात की ड्यूटी करने के लिए गए थे। बुधवार की सुबह जब वह ड्यूटी से लौटे तो उन्होंने दरवाजा न खुलने पर आवाज लगाई। अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो वे बांस की सीढ़ी लगाकर छत पर पहुंचे। तो रामदुलारी का रक्त रंजित शव देखा। मृतका के शरीर पर चोट के निशान थे और चारो तरफ खून फैला हुआ था। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उसने हमलावर के साथ जमकर मुकाबला किया था। मृतका के सात बेटियां और एक बेटा है। इसमें पांच बेटियों की शादी हो चुकी है।

मलाबार समूह ने आवंटित किए 150 करोड़ रुपये

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत के अग्रणी व्यापारिक समूह एवं मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की मूल कंपनी मलाबार समूह ने 2025-26 में अपनी सीएसआर पहलों को आगे बढ़ाने के लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। ये पहलें स्वास्थ्य, शिक्षा, भूख एवं गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और वंचितों के लिए आवास पर केंद्रित हैं। समूह ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल ह्यहंगर फ्री वर्ल्डह्न के तहत भारत और जाम्बिया में वंचितों को प्रतिदिन 70 हजार भोजन वितरित करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस तरह 2025-26 में कुल 2.50 करोड़ भोजन बांटे जाएंगे। यह पिछले 3 सालों में बांटे गए 2.5 करोड़ भोजन की अब तक की पूरी उपलब्धि से एक बड़ी छलांग है। यह खाद्य सुरक्षा के लिए समूह की ठोस प्रतिबद्धता के बारे में भी बताता है। यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल 2- जीरो हंगर के अनुरूप है। नीति आयोग के पूर्व सीईओ एवं जी-20 शेरपा डॉ. अमिताभ कांत ने नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में समूह के सीएसआर कार्यक्रमों के अगले चरण का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों में मलाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद, मलाबार समूह के वाइस चेयरमैन के.पी. अब्दुल सलाम और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के भारतीय परिचालन के मैनेजिंग डायरेक्टर ओ. अशर शामिल थे। मलाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद ने इस पहल के बारे में कहा, ह्यहम्मलाबार समूह में सीएसआर हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और हम समाज को वापस देने में विश्वास करते हैं। हम 28 मई को अपने वार्षिक सीएसआर दिवस के रूप में समर्पित करते हैं। हम निरंतर और प्रभावशाली कदमों के माध्यम से वंचितों के साथ खड़े होने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराते हैं. हमारी सीएसआर पहल उस स्थायी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चियों की मौत ,पांच लोग झुलसे

मिजार्पुर। मिजार्पुर में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो सगी बहनों की मौत हो गई। वहीं, पांच लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। झुलसे घायलों को पहुंचाया गया। हलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने समय रहते सभी का इलाज शुरू कर दिया। वहीं, पुलिस ने पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हलिया थाना क्षेत्र के नंदन मझिगवां उचका मोहल्ले में बुधवार की दोपहर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे से पहले भुक्तभोगी परिवार और पास-पड़ोस के लोग घर के बाहर नीम के पेड़ के नीचे बैठे थे। तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया। तड़तड़ाहट और चीख-पुकार सुन भीड़ इकट्ठा हो गई। हलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के नदना गांव के मझिगवा मजरे में बुधवार की दोपहर हल्की बूंदा बादी के बीच बिजली गिरने से हैंडपंप के पास खेल रही दो बहनों की मौत हो गई। वहां से 500 मीटर दूर नीम के पेड़ के नीचे बैठे सात लोग झुलस गए। झुलसे लोगों का उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे एसडीएम संजीव कुमार यादव ने दैवी आपदा से मदद का आश्वासन दिया। थाना क्षेत्र के नदना गांव के मझिगवां मजरा निवास संतोष की खुशबू (10) व साधना (9) हैंडपंप के पास खेल रही थी। उसी दौरान हैंडपंप पर बिजली गिरने से चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। थोड़ी दूर पर नीम के पेड़ के नीचे पत्थर पर बैठी फूल कुमारी (25), जागृति (3), रानी (10), सोनम (15), अमन (5), लल्लू (3), साधना (14) झुलस गए। सभी का उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में चल रहा है। चिकित्सक कामेश्वर तिवारी ने बताया कि बिजली गिरने से दो बच्चियों की मौत हो गई है। सात लोग झुलस गए हैं। सूचना पर पहुंचे एसडीम ने बिजली से झुलसे हुए लोगों का उपचार के लिए चिकित्सक को निर्देशित करते हुए बताया कि मृतक को दैवी आपदा कोष से चार लाख रुपये व झुलसे लोगों को 5400 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। थानाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बिजली गिरने से दो बालिकाओं की मौत हो गई। सीएम योगी ने इस दर्दनाक हादसे को लेकर अपनी शोक संवेदना जताई है। उन्होंने एक्स पर मीरजापुर में आकाशीय बिजली गिरने से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री जी ने दिवंगतों के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित करने और आपदा से घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के भी निर्देश दिए हैं।

अफराद में एक कार ने तीन को रौंदा दो की मौत, एक गंभीर

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज सीवान- बसंतपुर एनएच 271 ए पर अफराद मोड के पास सीवान से बसंतपुर की तरफ जाने वाली एक कार के ड्राइवर ने संतुलन खो कर तीन व्यक्ति को रौंद डाला जिसमें दो की मौत हो गई एक की स्थिति खतरे से बाहर बताई जाती है . चारपहिया वाहन का ड्राइवर को हल्की चोट आई है आस पड़ोस के लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है . बताया जाता है कि डब्लू बी 24 एएल 7278 कार के चालक तरवारा के तरफ से आने के क्रम में अन्य राहगीरों को भी धक्का मार भाग रहा था . मृतकों में अफराद के दावा व्यवसाई संजय प्रसाद सिंह उम्र 45 वर्ष वाही दूसरा व्यक्ति बसंतपुर थाना क्षेत्र के मोलनापुर निवासी रोहित कुमार 32 वर्ष बताया जाता है ।

वहीं जीवन मौत से जूझ रहा युवक महाराजगंज थाना क्षेत्र की माधोपुर अनुसूचित जाति का एक 40 वर्षीय युवक बताया जाता है . तीनों बाइक से सवार थे। महाराजगंज के एसडीपीओ राकेश रंजन पुलिस दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर घटना की जानकारी लेने में जुटे हैं।

ट्रिपल हत्याकांड को लेकर शोकाकुल परिवार से मिला लोजपा का प्रतिनिधिमंडल

जौनपुर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ग्राम मोहम्मदपुर कांध, थाना जफराबाद शोकाकुल परिवार से मिला, जहां 25 मई को अनुसूचित जाति के लालजी राम तथा उनके दोनों पुत्रों की भारी हथियार से निर्मम हत्या कर दी गई थी। शोकाकुल परिवार से मिलकर प्रतिनिधि मंडल ने शोक संवेदना व्यक्त की। प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने उच्च अधिकारियों से वार्ता कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। उन्होंने सदर उपजिलाधिकारी से टेलीफोन से वार्ता कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की बात की। राजीव पासवान ने परिवार वालों को आश्वासन दिया कि वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान तथा मुख्य सचेतक अरुण भारती को घटना से अवगत कराएंगे। प्रतिनिधि मंडल में शामिल लोगों में प्रदेश महासचिव तथा प्रवक्ता विकास पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष प्यारेलाल सरोज ,प्रदेश महासचिव जितेंद्र पासी, प्रदेश सचिव व प्रभारी जौनपुर प्रेम पासी , जिला अध्यक्ष जौनपुर रीता सरोज,शुभम पांडेय, ग्राम प्रधान काजू दूबे, पप्पू तिवारी , रिंकू यादव आदि का समावेश रहा।

भारत की सत्ता पर संतों का शासन हैः जगत गुरु हरिप्रपन्नाचार्य महाराज

-लाल शेखर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। परियत, ननवगनपुर- जगत गुरु हरि प्रपन्नाचार्य हरिहरानंद महाराज ने व्यासपीठ से जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि, माता सीताजी और भगवान राम ने सर्वप्रथम नवरात्र व्रत का पालन किया था। नवरात्र व्रत में जितने अन्न का त्याग किया जाता है उतने ही अन्न का दान करना चाहिए या कन्याओं का पूजन कर उन्हें प्रसाद खिलाने के बाद ही अन्न ग्रहण करना चाहिए।त्रेता में सेतु बंधन के समय जिस पर्वत के टुकड़े को हनुमान जी लेकर आये थे उसे ब्रज क्षेत्र में पधरा दिया गया था वही गोवर्धन पर्वत है। गोवर्धन जी की परिक्रमा के पश्चात पैरों को अच्छी तरह धोकर ही घर आना चाहिए क्योंकि उसका कण मात्र भी घर आने से दरिद्रता आ जाती है। धर्म को व्यापार बनाने वालों का अंतिम पड़ाव जेल की कोठरी होती है अतः ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। लाउडस्पीकर से गुरुमंत्र देने वाले छद्म गुरु लोगों से बचा जाये।शुकदेव भगवान परीक्षित जी से कहते हैंधर्म को शून्य और धन को सर्वस्व समझने वालों का कल्याण कभी नही होता।माता पिता गुरु और वेद पुराण को ना मानने वाला व्यक्ति दुष्ट होता है। बेल पत्र तीन महीने तक बासी नही होता। रात्रि में 12 से 2 बजे तक जल शयन करता है इसलिए इसमें प्रवेश नही करना चाहिए।पूर्व की तरफ पैर करके सोने वाले की आयु 40 के बाद समाप्त हो जाती है।पश्चिम की ओर पैर करके शयन करने वाला शतायु को प्राप्त करता है। सूर्य और चंद्रमा की तरफ मल मूत्र का त्याग कभी नही करना चाहिए। मार्कंडेय महापुराण के अनुसार आँगन में जूता चप्पल, बाध से बिनी हुई खाट, टूटे बर्तन वर्जित है इससे घर मे कलह और दरिद्रता उत्पन्न होती है, इसलिए आंगन में तुलसी का वृक्ष लगाकर पूजन करना चाहिए।देश में कुल 118रामचरितमानस है जीवन में मरते समय मनुष्य को उंसके स्वयं के कर्म स्मरण आते हैं। नारद महापुराण के अनुसार अपने बच्चों का एडमिशन उंसके जन्मदिन और मंगलवार के दिन कभी नही करवाना चाहिए।तेरह नक्षत्रों में कभी किसी संस्थान का उद्घाटन नही करवाना चाहिए।16 दिनों में विद्यार्जन भगवान ने किया था इसीलिए आज तक एम.ए. की पढ़ाई भी 16 तक ही है जो 16 वर्षों में प्राप्त होती है।बेटी के विवाह में विघ्न उत्पन्न हो रहा हो तो जय जय गिरिवर राजकुमारी इस चौपाई का चार महीने जप करते हुए पूजन करना चाहिए।विवाह हेतु लड़की देखने का अधिकार केवल घर की माताओं को है, ससुर देवर

आदि पुरुषों को कदापि नही देखना चाहिए।लड़की के रुप से अधिक महत्व उंसके संस्कार को देना चाहिए।

जगत गुरु ने कथा को विस्तार देते हुए कहा यज्ञ के पश्चात तत्काल जलवृष्टि का होना यज्ञ की सफलता का संदेश देता है।कथा में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भगवान समझकर सम्मान पूर्वक व्यवहार करने वाला ही परम भागवत होता है।ऐसे यजमान का हर यज्ञ सफल होता है। माता-पिता, सामाजिक न्याय और वेद धर्म सिद्धांतो को मानकर उसपर चलने वाला ही मनुष्य होता है। घर के आस पास यदि पीपल उग रहा हो तो यह विपत्ति का सूचक होता है इसलिए शनिवार को सौ पत्तों वाले पीपल के वृक्ष को उखाड़ देना चाहिए।जो बच्चे पढ़ने में कमजोर हो उन्हें चिचड़ी की दातून करवाना चाहिए।जीवित या मृत माता पिता को स्मरण करके प्रणाम ना करने वाले का कोई भी कार्य सफल नही होगा।नरेंद मोदी और योगी आदित्यनाथ नाथ ने कन्या पूजन, व्रत करके भगवान विश्वनाथ भगवान राम और माता विध्यवासिनी को प्रसन्न कर लिए हैं यही शक्तियाँ उनकी और भारत देश की रक्षा कर रही हैं।यह संतों की सरकार है यह दीर्घ काल तक चलने वाली है।5 करोड़ हनुमान चालीसा का पाठ करने के पश्चात राम मंदिर बन गया।मुस्लिम देश मे जाकर राम मंदिर बनवाने वाले मोदी धन्यवाद के पात्र हैं।घर मे स्फटिक का शिवलिंग रखना चाहिए उसपर बिना टूटा चावल चढ़ाना चाहिए।पहना हुआ कपड़ा किसी दूसरे को नही देना चाहिए,नही तो उसका रोग आप को प्राप्त होगा। सुख से रहने वाला व्यक्ति भगवान को कभी नही प्राप्त कर सकता है।कथा के मुख्य यजमान श्रीमती गीता लालबहादुर सिंह और आयोजक मास्टर बिन्द बहादुर सिंह हैं। आयोजक बिंद बहादुर सिंह ने अपने मनोभाव व्यक्त करते हुए कहा कि,मेरा यह वर्षो से प्रतीक्षित पावन संकल्प भगवान की कृपा, गुरुजनों,पूर्वजों के आशीर्वाद और सगे, संबंधियों,पुरजनों के प्रेम और सहयोग से पूर्ण हुआ मै सभी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। भारी जनसमूह के बीच कथा आयोजन में सहयोगी परिजनों नरसिंह बहादुर सिंह,नागेंद्र बहादुर सिंह,, लव सिंह, कुश सिंह, बंटी सिंह,प्रिंसिपल रणविजय सिंह(मोनू),पिंकू सिंह,कल्लू सिंह के साथ समाजसेवक दिनेशप्रताप सिंह, विद्या सिंह, अन्नपूर्णा सिंह,नीलम सिंह,शीला सिंह, सरिता सिंह,रिया सिंह, बजरंग सिंह, सुभाष तिवारी, भाजपा नेता के. पी. मिश्रा आदि लोगों ने भी कथा श्रवण करके पुण्य अर्जित किया।इस प्रकार भंडारा महाप्रसाद के साथ श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ मंगल महोत्सव सम्पन्न हुआ। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने दी है।

मुस्लिम परिवार ने शिवलिंग पर किया जलाभिषेक

आजमगढ़। आस्था और विश्वास की अनूठी मिसाल पेश करते हुए एक मुस्लिम परिवार ने मेंहनगर तहसील क्षेत्र के गौरा गांव स्थित महामंडलेश्वर धाम में शिव सरोवर में डुबकी लगाकर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है, जहां लोग इस आस्था की पराकाष्ठा की सराहना कर रहे हैं। शंभू नगर बाजार निवासी अनवर उर्फ गुड्डू, उनकी पत्नी अफशाना और पुत्री सना बानो ने सोमवार को भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। अनवर, जो रोजी-रोटी के लिए परिवार सहित मुंबई में रहते हैं, ने बताया कि उनकी बेटी सना लंबे समय से बीमार थी। अनेक उपचार, झाड़-फूंक और मजारों के चक्कर लगाने के बावजूद कोई लाभ नहीं हुआ। तभी किसी ने उन्हें गौरा गांव के महामंडलेश्वर धाम में शिव सरोवर और शिवलिंग की महत्ता के बारे में बताया। अनवर ने भगवान शिव से मन्नत मांगी कि बेटी के स्वस्थ होने पर वे परिवार सहित दर्शन-पूजन के लिए धाम पहुंचेंगे।